आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 349 | इंदौर, गुरुवार 16 जुलाई, 2026 | आषाढ़ शुक्ल 2 संवत् 2083 | पृष्ठ-12 मूल्य-4.00 | www.awantika.com

आज
* भगवान जगन्नाथ रथयात्रा

देश विदेश

भारत पर 100% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके।

अमेरिका ने 7 घंटे तक ईरान पर बम बरसाए

वाशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया। उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। आईआरजीएस ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा।

टीएमसी विधायक मदन मित्रा ने ममता का साथ छोड़ा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सीनियर लीडर मदन मित्रा ने बुधवार को ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया। वे ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट में शामिल हो गए। हालांकि, उन्होंने विधायक पद नहीं छोड़ा है। मित्रा के तृणमूल कांग्रेस के बागी गुट में शामिल होने का फैसला ऐसे समय में सामने आया है, जब उनके ऊपर प्रवर्तन निदेशालय का शिकंजा कस रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मंगलवार को ईडी ने मदन मित्रा की पत्नी और उनके दो बेटों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला म्युनिसिपल भर्ती घोटाले से जुड़ा हुआ है। बुधवार को कोलकाता में ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले विद्रोही तृणमूल कांग्रेस गुट में शामिल हुए।

तीनों में से किसी पत्नी का धर्म नहीं बदला: आमिर खान

मुंबई। तीसरी शादी करने के बाद एक्टर आमिर खान को सोशल मीडिया पर लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहा जा रहा है। आमिर ने इन आरोपों पर सफाई दी है। वेबसाइट रेडिफ के साथ बातचीत में आमिर ने कहा- मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं। तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई हैं। आमिर ने कहा- मेरी बेटी इरा की शादी एक हिंदू से हुई है। मेरी दोनों बहनों निखत खान और फरहत खान के पति भी हिंदू हैं। कजिन मंसूर की शादी एक ईसाई से हुई है। एक्टर आमिर खान और उनकी पार्टनर गौरी स्प्रैट ने 5 जुलाई को शादी की। दोनों ने मुंबई के पाली हिल (बांद्रा) स्थित आमिर के घर पर शादी के कागजात पर साइन किए। यह एक प्राइवेट मैरिज सेरेमनी थी, जिसमें दोनों परिवारों के लोग और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए। शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज के रूप में रजिस्टर की गई।

बनारस में गंगा किनारे बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज बुधवार, 15 जुलाई को सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग से लेकर मोबाइल फोन प्रोडक्शन तक कई बड़े फैसलों को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों में इंफ्रास्ट्रक्चर, फर्टिलाइजर और रेलवे प्रोजेक्ट्स से जुड़े सात बड़े फैसले हैं। इस पैकेज में सेमीकॉन 2.0, मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम और यूरिया-2026 के लिए नेशनल इन्वेस्टमेंट पॉलिसी शामिल हैं, जिन पर कुल 2,19,353 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट और कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स की बैठक हुई। इसके बाद प्रेस ब्रीफिंग में कैबिनेट के फैसलों के बारे में जानकारी दी गई।

इंग्लैंड में पंजाबी लड़की की हत्या, चाकू से 5 वार किए

अमृतसर। पंजाब के तरनतारन की युवती की इंग्लैंड में हत्या कर दी गई। उसके पेट-छाती में 5 बार चाकू से वार किए गए। युवती करीब दो साल पहले स्टूडेंट वीजा पर हायर एजुकेशन के लिए गई थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद उसे वर्क परमिट मिल गया था और वह वहीं रहकर नौकरी कर रही थी। युवती की हत्या के बाद आरोपी का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वो चाकू लेकर जाता हुआ दिख रहा है। वीडियो घर के गेट के कैमरे में कैद हुआ। युवती के पेरेंट्स ने बेटी का भविष्य संवारने के लिए अपनी जमीन तक बेच दी थी, ताकि वो उसे इंग्लैंड भेज सकें। परिवार को उम्मीद थी कि उनकी बेटी विदेश में बेहतर पढ़ाई करके अच्छी नौकरी हासिल करेगी।

भूख हड़ताल के बाद से सोनम वांगचुक का करीब 8.25 किलो वजन घटा, लो ब्लड शुगर, चक्कर, ज्यादा कमजोरी और मांसपेशियां हुई कमजोर

सोनम वांगचुक के अनशन पर दिल्ली हाईकोर्ट में अर्जेंट सुनवाई

कोर्ट ने केंद्र-दिल्ली सरकार से जवाब मांगा, वांगचुक को तुरंत मेडिकल सुविधा और इलाज देने की मांग की, वांगचुक 18 दिन से भूख हड़ताल पर, सेहत बिगड़ी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को बहुत जरूरी माना। केंद्र और दिल्ली सरकार से गुरुवार सुबह तक जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने यह सुनवाई एक जनहित याचिका पर की। इसमें वांगचुक को तुरंत मेडिकल सुविधा और इलाज देने की मांग की गई है।

वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 18 दिन से भूख हड़ताल पर हैं। उनकी हालत लगातार गिरती जा रही है। 8.50 किग्रा तक वजन गिर गया है। सरकार सोनम वांगचुक को तुरंत इमरजेंसी ट्रीटमेंट, जीवनरक्षक उपचार और जरूरी पोषण उपलब्ध कराए। साथ ही सरकार उनके आंदोलन से जुड़े मुद्दों पर बातचीत भी शुरू करे।

भूख हड़ताल के बाद से सोनम वांगचुक का करीब 8.25 किलो वजन घट गया है। उन्हें लो ब्लड शुगर, चक्कर, ज्यादा कमजोरी और मांसपेशियां कमजोर होने जैसी दिक्कतें हो रही हैं। किसी की जान खतरे में होने पर सरकार चुप नहीं रह सकती। भूख हड़ताल शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार है, लेकिन नागरिक की जान बचाना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

थरूर ने वांगचुक से अनशन खत्म करने की अपील की- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर लिखा- सोनम वांगचुक जी से मेरी भावनात्मक अपील है कि वे अपना अनशन समाप्त करें। आपने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और किसी भी अनशन का यही उद्देश्य होता है। देश को आगे की लंबी लड़ाई के लिए आपकी आवाज की जरूरत है। सोमवार से संसद का सत्र शुरू हो रहा है। हमें लोकतंत्र के सर्वोच्च मंच पर छात्रों के मुद्दे उठाने का अवसर मिलेगा। इन समस्याओं का समाधान संसद में होना चाहिए, न कि किसी की जान जोखिम में डालने वाले अनशन से। कृपया मेरी अपील स्वीकार करें।

नेताओं-फिल्मी हस्तियों की प्रतिक्रिया

- **सपा चीफ अखिलेश यादव-** जिस भाजपा सरकार को वह अपने आमरण अनशन से जगाने की कोशिश कर रहे हैं, वह सिद्धांतहीन और भ्रष्ट व्यवस्था बन चुकी है। इतनी निर्मम सरकार के लिए किसी का भी बलिदान मायने नहीं रखता।
- **पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल-** मैं 16 जुलाई शाम 5 बजे जंतर-मंतर जाकर सोनम वांगचुक और सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करूंगा और अपना समर्थन दूंगा।
- **टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा-** सरकार को आपके या करोड़ों युवाओं के जीवन की परवाह नहीं है। आपका जीवन हमारे लिए मायने रखता है। अनशन बंद करें और लड़ाई जारी रखें।

राखी सावंत जाएंगी जंतर-मंतर !

राखी सावंत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं। राखी सावंत इसमें कह रही हैं, प्लीज सोनम जी मैं गुजारिश करती हूं कि इन फालतू लोगों के लिए आप जान मत दीजिए। आप बहुत कीमती हैं। आपकी जान बहुत कीमती है। राखी ने आगे कहा, 'मैं जंतर-मंतर जाऊंगी और अपने हाथों से उनका फास्ट तुड़वाऊंगी। उनको नींबू पानी पिलाऊंगी, उन्हें आमरस पिलाऊंगी।'

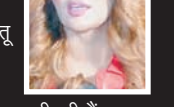

नोएडा में स्कूटी चार्जिंग के दौरान हुआ धमाका

4 मंजिला बिल्डिंग में लगी आग से 2 जिंदा जले

एजेंसी ▸▸ नोएडा

नोएडा में बुधवार सुबह 11 बजे 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोग जिंदा जल गए। एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए। फायर ब्रिगेड ने सीढ़ियों के सहारे 50 परिवारों का रेस्क्यू किया।

पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग के बेसमेंट में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। 30 से 40 बाइकें जलकर राख हो गईं। धुआं उठता देखकर बिल्डिंग के आसपास रहने वाले सैकड़ों लोग सड़क पर आ गए। बिल्डिंग के निचले हिस्से में फंसे लोग बाहर निकल गए, लेकिन ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोग फंस गए।

पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत में ले लिया

फायर ब्रिगेड कर्मियों ने जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसकी छत से सामने वाली बिल्डिंग तक सीढ़ियां लगाकर पुल बनाया। फिर उसके सहारे लोगों को दूसरी बिल्डिंग में सुरक्षित पहुचाया। पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत में ले लिया है। हादसे में जाने गंवाने की वाली लड़की स्नेहा श्रीवास्तव (22) बिहार की रहने वाली थी। अभी युवक की पहचान नहीं हो पाई है। बिल्डिंग में करीब 50 कमरे थे। आग सेक्टर-66 के ममूरा इलाके में लगी। यह भीड़भाड़ वाला इलाका है। यहां बड़ी संख्या में नौकरीपेशा लोग परिवार के साथ रहते हैं।

यूके की व्हिस्की, कारें और ब्यूटी प्रोडक्ट्स सस्ते मिलेंगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत में यूके की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर अब सस्ते मिलेंगे। बुधवार से भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया। यानी अब भारत के 99% सामानों को यूके में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं यूके के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे। इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए थे।

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री का भाई शालिगराम गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ छतरपुर

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के भाई शालिगराम गर्ग और उसके एक साथी को छतरपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शालिगराम समेत 4 लोगों पर जमीन विवाद में मोतीलाल कुशवाहा नाम के युवक को गोली मारने का आरोप है। मामला राजनगर में गौशाला के पीछे की जमीन के विवाद से जुड़ा है।

पुलिस ने शालिगराम और अंकित मिश्रा को बुधवार शाम गिरफ्तार किया जबकि दो आरोपी अभी भी फरार हैं। घायल मोतीलाल कुशवाहा राजनगर थाना इलाके के कोड़ा गांव का रहने वाला है। उसे मंगलवार को गोली लगने के बाद गंभीर हालत में छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मोतीलाल ने पुलिस को बताया था- शालिगराम गर्ग मेरी जमीन छीनना चाहते हैं। वे सतीश सिंह घोष, तुलसी मिश्रा, अंकित मिश्रा, आशीष और दूसरे साथियों के साथ मंगलवार सुबह मेरे घर पहुंचे। मुझे घर से बाहर खींच लाए। सभी ने लाठी-डंडों से हमला किया। इसके बाद शालिगराम ने तीन-चार राउंड फायर किया। एक गोली मेरे सीने में लगी।

ब्यौहारी अमृत भारत रेलवे स्टेशन का कल पीएम करेंगे लोकार्पण

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जबलपुर

पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल का प्रमुख रेलवे स्टेशन ब्यौहारी अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आधुनिक स्वरूप में विकसित होकर यात्रियों की सेवा के लिए पूर्णतः तैयार है। लगभग 20.58 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस स्टेशन का 17 जुलाई को प्रधानमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअल लोकार्पण किया जाएगा। यह अवसर ब्यौहारी क्षेत्र, शहडोल जिले तथा जबलपुर मंडल के लिए गौरव का क्षण होगा।

2004 से पेट्रोल में एथेनॉल मिल रहा गाड़ियों को नुकसान का सबूत नहीं

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश में ई-20 पेट्रोल, एथेनॉल, माइलेज और गाड़ियों पर इसके असर को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एथेनॉल से गाड़ियां खराब होने का कोई प्रमाण नहीं है। 2004 से पेट्रोल में एथेनॉल मिलाया जा रहा है। अब तक किसी की गाड़ी खराब होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया। सोशल मीडिया पर भ्रामक बातें फैलाई जा रही हैं।

यूपी-बिहार में भारी बारिश

जगन्नाथ यात्रा से पहले ओडिशा में रेड अलर्ट, राजस्थान-एमपी में मानसून ब्रेक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मानसून ऐक्टिव है। बुधवार को बिहार के गयाजी में स्कूल जा रहे तीन बच्चों पर बिजली गिर गई। एक बच्चे की मौत हो गई। समस्तीपुर में भी बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।

यूपी के लखनऊ में मंगलवार को तेज बारिश हुई। बलिया में सरयू और घाघरा नदी के किनारों पर कटान शुरू हो गया। इसके चलते बांसडीह में 150 परिवार घर छोड़कर दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं।

इधर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में मानसून पर ब्रेक लग गया है। मानसून ट्रफ, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं पूर्वी भारत में आकर रुक गई हैं। इससे पश्चिम-उत्तर भारत तक पर्याप्त मात्रा में नम हवाएं नहीं पहुंच पा रही हैं, इसलिए बारिश कम हो रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक, कुछ दिनों बाद नया लो-प्रेशर सिस्टम बनने या मानसून ट्रफ के पश्चिम की ओर बढ़ने पर इन राज्यों में भी अच्छी बारिश शुरू हो सकती है। ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट है।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

दावा- हैकर्स ने ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स और अन्य रिकॉर्ड की जानकारी सार्वजनिक की

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। रायटर्स के मुताबिक, हैकर्स ग्रुप वर्ल्ड लीक्स ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की जानकारी और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए हैं।

तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट में शामिल अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने बयान कर सेंध लगने की पुष्टि की। रिलायंस ग्रुप ने कहा कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा के सर्वर पर सेंध लगी थी। इस घटना की जानकारी सरकार को दे दी गई है। हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि कौन-सा डेटा प्रभावित हुआ। सर्वर में सेंध मई में हुई थी, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है। न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है। वहीं भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी इस डेटा लीक की जांच कर रही है।

कैग की रिपोर्ट के आधार पर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

प्रदेश के 1895 सरकारी स्कूलों में एक भी टीचर नहीं

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जबलपुर

एमपी हाईकोर्ट में सरकारी स्कूलों में टीचरों की कमी को लेकर जनहित याचिका दायर की गई है। इंदौर निवासी सौरभ त्रिपाठी ने 2025 की कैग (सीएजी) रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि प्रदेश के 1,895 शासकीय शालाओं में एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं है, जिससे लाखों बच्चों का शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहा है। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने मंगलवार को राज्य सरकार और स्कूल शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता सौरभ त्रिपाठी ने याचिका में कहा कि प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था गंभीर अव्यवस्थाओं से जूझ रही है। वर्ष 2025 की नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार 7 हजार करोड़ रुपए से अधिक का बजट होने के बावजूद हजारों स्कूलों में शिक्षक नहीं हैं। इससे बच्चों के शिक्षा के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन हो रहा है। मामले की सुनवाई एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने की। अदालत ने प्रथम दृष्टया मामले को गंभीर मानते हुए राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सरकार से शिक्षक नियुक्ति, बजट के उपयोग और कैग रिपोर्ट में उठाए गए मुद्दों पर विस्तृत जवाब मांगा गया है।

परीक्षा परिणामों पर भी पड़ा असर

याचिका में कहा गया है कि शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का असर छात्रों के परीक्षा परिणामों पर भी साफ दिखाई देता है। सत्र 2018-19 में हाईस्कूल का पास प्रतिशत 67.74 प्रतिशत था, जो 2021-22 में घटकर 38.53प्रतिशत रह गया।

अब सरकार को देना होगा जवाब

प्राथमिक सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अब सरकार को अदालत के समक्ष यह स्पष्ट करना होगा कि शिक्षक नियुक्तियों, बजट खर्च और सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं।

महाकाल श्रृंगार

ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर का मंगलवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

मास्टर साब...

हाल ही में हुए एक मामले में मास्टर साब और उनके विभाग के भी हाल बेहाल हो गए हैं। पहले तो शिष्यों के सामने मास्टर साब को लिखित माफी मांगना पडी। विद्यालय भी और उसकी प्रमुख भी दबाव में रही। आंदोलनकारियों ने मनचाहा हंगामा और मनचाही पूर्ति की। कार्रवाई के लिए संस्था प्रमुख से पत्र जारी करवाया। हाथों हाथ पत्र लिया और विभाग के जिला प्रमुख को देते हुए निष्कासन की कार्रवाई की मांग रखी गई। दोपहर में शुरू हुआ मामला रात तक जारी रहा। उस स्थिति में जब मास्टर साब ने गलती मानते हुए लिखित माफी मांग ली थी। जबकि पूरे मामले के चलचित्र को देखने वालों का कुछ और ही कहना है। जिला अधिकारी भी दबाव में रहे और बराबर अब तक हैं भी। मामला सप्ताह की शुरुआत में एक बार फिर उपज गया। विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली गई और उसके बाद दो टूक डांट पी पिला दी गई। तत्काल मामले की सूचना क्यों नहीं दी, अवगत क्यों नहीं करवाया गया। विभागीय अधिकारी छोटा सा मुंह लेकर कुछ जवाब होने पर भी नहीं दे सके। छोटा सा मुंह लेकर बाहर आ गए। एक तो जला ऊपर से नमक की झिड़कने जेसी स्थिति बन गई। खुसूर-फुसूर है कि एक तो पहले ही शिष्यों के सामने पूरी तरह से लाचार वाली स्थिति में आने के बावजूद भी कोई आंसू पोंछने वाला नहीं मिला। शिष्य एकता के सूत्र में पिरोए गए थे और मास्टर साब अनेकता की स्थिति में थे। अब ऐसी स्थिति में ये हालात तो होना ही है। उसके बाद बची खुची स्थिति में सूचना नहीं देने का काम भी कितना गलत किया। चार-पांच घंटे तक मुख्यालय पर ही पूरा मामला चला। वर्दी के एक दो, तीन केंद्रों के दल बल पहुंचे। इनकों सूचना देने में भी जोर आ गया। फिर ताना तो मिलना ही था।

न्यूज कॉलम

- महाकवि कालिदास की जयंती और वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 15 जुलाई को नेशनल थिएटर फेस्टिवल 2026 का आयोजन किया जाएगा।
- माझी समाज के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजसेवी राकेश वर्मा ने अपना जन्मदिन पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण कर मनाया।
- कर्मचारियों की पदोन्नति की मांग को लेकर मंगलवार को विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

सचिव ने प्रशासनिक अफसरों को अब तक नहीं बताई कृषि मंडी दुकानों की वस्तुस्थिति

उज्जैन। मंडी दुकानों की हुई बंदरबांट और यहां सामने आए किराये के खेल का मामला उजागर होने के बाद प्रशासन ने भले ही मंडी समिति को नोटिस थमा दिया हो, लेकिन मंडी सचिव राजेश गोयल ने 4 दिन बाद भी इसका जवाब नहीं दिया। इधर, प्रशासन भी जवाब के इंतजार में हाथ पर हाथ धरे बैठा है। अधिकारियों को ऐसा ही बर्ताव रहा तो उज्जैन में ऐसे ही मंडी एक्ट का खुला उल्लंघन होता रहेगा। जिन लोगों ने व्यापारी का लाइसेंस बनवाकर दुकानें ली है, वे लीज नियमों को ताक में रखते हुए दुकानों को किराये पर देकर मुनाफा कमाते रहेंगे। वरिष्ठ अफसरों की सुस्ती को देख मंडी कर्मचारी भी नोटिस देकर या दुकान सील की धौंस देते हुए अपना काम करते रहेंगे। इसका नुकसान वास्तविक अनाज व्यापारी को उठाना पड़ेगा। उन्हें अनाज का कारोबार करने के लिए मंडी परिसर में दुकानें नहीं मिल सकेगी।

आयुर्वेद चिकित्सालय में स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आज

उज्जैन। शासकीय धन्वन्तरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. ओ पी व्यास ने बताया कि चिकित्सालय के शिशु एवं बालरोग विभाग के अंतर्गत 15 जुलाई, बुधवार को जन्म से लेकर 10 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाएगा। बाल रोग चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. गीता जाटव ने बताया कि शिशु के बुद्धि व बलवर्धन तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिये एवं बार-बार होने वाले संक्रामक रोगों से बचाव के लिए अपने बच्चों का स्वर्णप्राशन अवश्य करावे उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. प्रकाश जोशी ने दी।

ट्रेंडिंग

झालाना स्थित ललित कला अकादमी में इंटरनेशनल विजुअल आर्ट फेस्टिवल 2026 'रंग मल्हार' का आयोजन

उमाशंकर जोशी, मान सिंह, सीमा सिंह सहित कई कलाकारों ने लिया हिस्सा

उज्जैन के चित्रकार मनीष कुमावत और साक्षी कुमावत ने संदूक एवं बॉक्स पर अपनी कला को रंगों के माध्यम से उकेरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ जयपुर

झालाना स्थित ललित कला अकादमी में इंटरनेशनल विजुअल आर्ट फेस्टिवल 2026 'रंग मल्हार' का आयोजान हुआ। अच्छी बारिश की कामना के लिए आयोजित इस 17वीं संस्करण में जयपुर , बीकानेर एवं उज्जैन (म.प्र.) के चित्रकार मनीष कुमावत और साक्षी कुमावत ने भी इस आयोजन में शिरकत की साथ ही संदूक एवं बॉक्स पर अपनी कला को रंगों के माध्यम से उकेरा।

इस आयोजन में बीकानेर शहर से उमाशंकरजोशी,मान सिंह,सीमा सिंह एवं 100 से अधिक कलाकारों ने हिस्सा लिया। कैनवास बदला, थीम नही 'रंग महलार' की खासियत यह है कि हर वर्ष कलाकारों को एक नया ओब्जेक्ट दिया जाता है। कभी छाता, कभी लालटेन, कभी केतली तो कभी पत्ते–और इस बार थ्री-डायमेंशनल (3डी) बक्सों पर चारों तरफ कहानी सुनाते कैनवास के माध्यम से कलाकारों ने अपनी कल्पनाओं को साकार किया। किसी ने बारिश में भीगी गलियों को उकेरा, तो किसी ने बरसते बादलों और प्रकृति की सुंदरता को रंगों में व्यक्त किया। वही उज्जैन शहर के मिनिएचर शैली चित्रकार मनीष कुमावत द्वारा संदूक पर यह पेंटिंग राजस्थानी लघु चित्रकला शैली में बनी है, जो प्रकृति, वर्षा

(सावन) और मानवीय भावनाओं के गहरे संबंध को दशार्ती है। लोहे के बक्से पर बनी इस कलाकृति का मुख्य अर्थ मुख्य रूप से सावन के आगमन और उससे जुड़ी खुशी व शांति को व्यक्त करता है। भारतीय कला परंपरा में वर्षा ऋतु को केवल एक मौसम नहीं, बल्कि प्रेम, प्रतीक्षा और नई शुरूआत के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। प्रतीकों का महत्व पेंटिंग में दिखाई देने वाली हर चीज का एक विशेष अर्थ है: राजस्थानी पुरुषः पारंपरिक पगड़ी और सफेद पोशाक में बैठा पुरुष अपनी जड़ों और संस्कृति के प्रति गौरव और सादगी का प्रतीक है। हाथ में पानी का पात्र लिए उसका आकाश की ओर देखना, बारिश के लिए कृतज्ञता और सुकून के भाव को दशार्ता है। राजस्थानी कला में घुमड़ते काले बादल की चमक अक्सर मन की उत्तेजना, प्रेम की तीव्रता या लंबे समय के बाद मिलने वाली खुशी (जैसे सूखे के बाद बारिश) को दर्शाते हैं यह खुशी, समृद्धि और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव को दिखाता है।

मानवीय भावनाओं को बहुत खूबसूरती से उकेरा गया

यह ज्ञान और आशा का प्रतीक है, जो शाम के समय या अंधेरे बादलों के बीच भी जीवन की निरंतरता को दर्शाता है। जहाँ महीन रेखाओं और चटकीले रंगों का उपयोग करके प्रकृति के दृश्यों और मानवीय भावनाओं को बहुत खूबसूरती से उकेरा गया है। इसमें परिप्रेक्ष्य के बजाय रंगों के माध्यम से गहराई और वैभव दिखाने की कोशिश की गई है। वरिष्ठ चित्रकार डॉ. विद्याधर उपाध्याय ने इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन की यात्रा साझा करते हुए बताया कि कला के माध्यम से मानसून का स्वागत करने और कलाकारों को एक साझा मंच देने के उद्देश्य से शुरू हुआ यह सफर अब अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुका है।

आत्मिक शांति की एक सुंदर प्रस्तुति

संक्षेप में, यह चित्र मानव और प्रकृति के बीच के सामंजस्य और सावन की पहली फुहारों से मिलने वाली आत्मिक शांति की एक सुंदर प्रस्तुति है। इस भाव को ध्यान में रखकर चित्रकार मनीष कुमावत द्वारा इस पेंटिंग का सृजन संदूक पर बड़ी ही खूबसूरती से किया गया है यह पेंटिंग आकर्षण केंद्र रही साथ ही उज्जैन की कलाकार साक्षी कुमावत द्वारा लिप्पन आर्ट में बॉक्स पर बारिश की थीम को ध्यान रखते हुए मोर का डेकोरेटिव चित्र उकेरा और उन्होंने बताया यह लकड़ी या लोहे का बना बॉक्स नहीं होता परंपराओं ओर भावनाओं की स्मृति का संरक्षक भी होता हैं।

मुख्यमंत्री किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना के बारे में

शहरों में तो फिर भी छात्राओं को पता, ग्रामीण में जानकारी का अभाव

पैसा खातों में पहुंचा लेकिन उपयोग को लेकर विभाग छात्राओं को जागरूक करने में रूचिकर नहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सरकारी हो या प्राइवेट स्कूल, सभी की कक्षा सात से लेकर 12वीं तक की छात्राओं को स्वच्छता व सैनेटरी पैड के लिए शासन स्तर से तीन सौ रुपये हर साल मिलते हैं। यह रुपये सीधे उनके बैंक खाते में आते हैं यानी वे चाहे स्कूल से सैनेटरी पैड खरीदें या फिर बाहर दुकान से। लेकिन खास बात यह है कि अधिकतर छात्राओं को इस बात का पता ही नहीं है। शहरी क्षेत्रों में तो फिर भी ठीक ग्रामीण में तो छात्राओं को ही नहीं स्कूल प्रबंधन को ही इसकी जानकारी का अभाव सामने आ रहा है। छात्राओं को जागरूकता का मसला तो बहुत दूर की बात है।

हालांकि शहर के कुछ बड़े कन्या विद्यालयों की छात्राओं को स्कूल प्रबंधन ने जागरूक किया है। इसलिए उन्हें इस बात का पता है। शहर के दशहरा मैदान कन्या विद्यालय में लगी वेंडिग मशीन में पांच रुपये का सिक्का डालकर सैनेटरी पैड ले लेती हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में छात्राओं को तो छोड़ो, स्कूल प्रबंधन एवं शिक्षिकाओं तक को पता नहीं है कि सैनेटरी पैड या स्वच्छता के लिए छात्राओं को सालाना राशि शासन से सीधे उनके खाते में मिलती है।

सरकारी-निजी दोनों में प्रावधान

सरकारी और निजी दोनों प्रकार के स्कूलों में पढ़ने वाली पात्र छात्राओं को यह राशि प्रतिवर्ष दी जाती है ताकि वे अपनी सुविधा के अनुसार स्कूल या बाजार से सैनिटरी पैड खरीद सकें, लेकिन जागरूकता के अभाव में अधिकांश छात्राओं को यह भी पता नहीं चल पाता कि उनके खाते में आए 300 रुपए किस उद्देश्य से भेजे गए हैं। पहले स्कूलों को इस उद्देश्य के लिए अलग से राशि उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद सरकार ने व्यवस्था में बदलाव करते हुए राशि सीधे छात्राओं के बैंक खातों में भेजने का निर्णय लिया।

नहीं पता खाते में सालाना रू. 300 आ रहे

कई ग्रामीण स्कूलों में तो शिक्षक भी इस योजना से अनभिज्ञ हैं। कक्षा 7 से 12वीं तक की छात्राओं को मासिक स्वच्छता और सैनिटरी पैड खरीदने के लिए सरकार हर वर्ष 300 रुपये की सहायता राशि देती है। यह राशि सीधे छात्राओं के बैंक खाते में भेजी जाती है। हैरानी यह है कि बड़ी संख्या में छात्राओं को इसकी जानकारी ही नहीं है। शहरों में तो फिर भी कुछ स्कूलों में छात्राएं इससे अवगत हैं लेकिन ग्रामीण स्कूलों में तो शिक्षक भी इस योजना से अनभिज्ञ हैं, जिससे इसका उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है।

विकासखंड छात्राओं की संख्या

बड़नगर	5602
घट्टिया	3098
खाचरौद	7225
महिदपुर	7592
तराना	5530
उज्जैन ग्रामीण	3302
उज्जैन शहर	8190
स्त्रोत-जिला शिक्षा विभाग।	

एक दशक से ज्यादा हुआ योजना को

इधर सामने आ रहा है कि योजना की शुरूआत राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम 7 जनवरी, 2014 को शुरू किया गया था। इसके बाद राज्यों में इस योजना का नाम बदला गया और इसे लागू किया गया। देश के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर योजना के संचालन में संशोधन किया गया।

जिले में कहां कितनी छात्राएं

उज्जैन जिले में इस योजना में बीते वर्ष 2025-26 के सत्र तक कुल 40539 छात्राओं का पंजीयन था और उन्हें एक करोड़ 21 लाख 61 हजार से अधिक की राशि बैंक खातों में सीधे दी जानी थी। इसी तारतम्य में शिक्षा विभाग मुख्यालय स्तर पर संचालित योजना में जिले में 662 छात्राओं के बैंक खाते में राशि ही जमा नहीं हो सकी हैं। इससे एक लाख 98 हजार 600 रूपए की यह राशि अब भी लंबित है। 62 छात्राओं के खाते ही लंबित हैं।

इसलिए बैंक खातों में जाते हैं रुपये- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्कूलों में फंड देने की जगह सरकार ने कक्षा सात से कक्षा 12 तक की छात्राओं को उनके खाते में 300 रुपये देने का निर्णय लिया था। चूंकि वर्तमान में स्कूल में प्रवेश लेने के साथ ही हर छात्र का आधार नंबर व उनका या उनके स्वजन का बैंक खाता नंबर ले लिया जाता है। इसलिए सरकार से आने वाली राशि छात्राओं के खाते में पहुंच जाती है।

देर से मिलती राशि- योजना के तहत छात्राओं को मिलने वाली यह राशि सत्र के अंतिम दौर तक खातों में पहुंचती है। ऐसे में कक्षा 7वीं में आने वाली और इस दौर में पहला कदम रखने वाली छात्राओं को इसकी जानकारी का अभाव ही रहता है। उस दौरान तक छात्राएं पूर्व के क्रम में ही ढल जाती हैं। जानकारों का कहना है कि यह राशि सत्र की शुरूआत में खातों में आने से छात्राओं के इसका उपयोग भी बढ़ जाएगा और उनकी जागरूकता में भी वृद्धि होगी।

आयुक्त शिक्षा ने आदेश दिया संलग्नीकरण के कर्मचारियों का वेतन निकालने से वसूली होगी

शिक्षा विभाग एवं प्रशासन में कर्मचारियों पर खींचतान शुरू

कतिपय कर्मचारी प्रशासन से मूल विभाग में आने को ही तैयार नहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

आयुक्त शिक्षा के विभागीय शैक्षणिक कर्मचारियों के संलग्नीकरण (अटैचमेंट) समाप्ति के आदेश के बाद शिक्षा विभाग एवं प्रशासन में कर्मचारियों को लेकर खींचतान की शुरूआत हो चुकी है। वर्षों से प्रशासन की मलाई में मस्त कर्मचारियों पर भी प्रशासन का रंग चढ़ गया है और वे मूल विभाग में आने को तैयार नहीं है। आयुक्त ने आदेश दिए हैं कि संलग्नीकरण के कर्मचारी अधिकारी का वेतन जो भी निकालेगा उसी से वसूली होगी। ऐसे में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के गले में फांस अटकी हुई है।

प्रदेश में संलग्नीकरण पर पूरी तरह से बैंड होने की बात कहीं जाती है। इसके विरूद्ध शिक्षा विभाग में पिछले लंबे समय से कर्मचारियों एवं अधिकारियों को लेकर संलग्न कर्मचारियों एवं अधिकारियों के वेतन मूल विभाग से नहीं निकालने के निर्देश जारी होते रहे हैं। हाल ही में आयुक्त के आदेश ने विभाग के वेतन आहरण करने वाले अधिकारियों की सांस चढ़ा दी है।

- **इनसे होगी वसूली-** शिक्षा विभाग में वेतन आहरण के अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकूल प्राचार्य को हैं। जिला शिक्षा अधिकारी अपने कार्यालय के कर्मचारियों का ही वेतन आहरण करने का अधिकार रखते हैं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकूल प्राचार्य अपने अपने क्षेत्रों के प्रावि, मावि, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के वेतन आहरण का अधिकार रखते हैं। ऐसे में अधिकांश मामलों में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकूल प्राचार्यों की सांस चढ़ी हुई है।
- **कई की शुगर और बीपी बढ़ा-** आयुक्त के आदेश के बाद वेतन निकालने के मामले में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्यों की स्थिति इधर कुंआ एवं इधर बावडी वाली हो गई है। प्रशासनिक कामों में संलग्न विभाग के कर्मचारी प्रशासन से वेतन के लिए दबाव में हैं तो विभागीय स्तर पर वेतन निकालने पर वसूली के डर से सेवा निवृत्ति के कगार पर आ चुके कई विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं संकुल प्राचार्यों की सांस फूली हुई है। कुछ की शुगर बढ़ गई है तो कुछ का बीपी उपर नीचे हो रहा है।
- **जनगणना एवं निर्वाचन से भी वापसी-** विभागीय सूत्रों का कहना है कि आयुक्त अभिषेक सिंह ने अपने निर्देश में स्पष्ट किया है कि जनगणनाए एवं निर्वाचन के कार्यालयीन कामों में लगे शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को भी वापस बुलाकर उनसे मूल विभाग में काम लिया जाए। इसके चलते प्रशासन एवं विभाग के बीच स्थितियां तनाव पूर्ण हो चुकी हैं।
- **प्रशासन में ही 77 कर्मचारी-** इधर विभागीय सूत्र बता रहे हैं कि संभाग एवं जिले के प्रशासन में ही शिक्षा विभाग के 77 कर्मचारी संलग्नीकरण में हैं। इसके अलावा जिला पंचायत एवं अन्य विभागों में भी कर्मचारी लगे हैं। सभी का संलग्नीकरण समाप्त कर इन्हें मूल विभाग में बुलाया गया है। इसके बावजूद इनमें से कई कर्मचारी मूल विभाग में आने की बजाय विभाग के अधिकारियों पर दबाव बनाने में लगे हुए हैं।

बच्चों की टॉय कार से निकला रसल वाइपर

बारिश के साथ शहर में बढ़ा सांपों का खतरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मानसून की शुरूआत के साथ ही उज्जैन में सांप निकलने की घटनाओं में तेजी आ गई है। शहर की स्नेक रेस्क्यू टीमों को प्रतिदिन औसतन 4 से 5 कॉल प्राप्त हो रही हैं। हाल ही में कानीपुरा रोड स्थित गिरिराज रतन कॉलोनी में एक घर के भीतर बच्चों की टॉय कार से देश के सबसे विषैले सांपों में शामिल रसल वाइपर का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में कुछ देर के लिए दहशत का माहौल बन गया।

स्नेक रेस्क्यू टीम के सदस्य राहुल ने बताया कि सूचना मिलने के करीब 20 मिनट के भीतर टीम मौके पर पहुंची। घर की तलाशी लेने पर बच्चों की टॉय कार में कपड़ों के नीचे छिपा रसल वाइपर मिला। सावधानीपूर्वक रेस्क्यू कर सांप को आबादी से दूर उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

रेस्क्यू टीम के अनुसार बारिश के मौसम में नई विकसित कॉलोनियों और निमार्णाधीन क्षेत्रों से सांप निकलने की घटनाएं अधिक सामने आती हैं। नानाखेड़ा, मुल्लापुरा, नागझिरी, आगर रोड, इंदौर रोड तथा शहर की सीमा से लगी नई कॉलोनियों से सबसे ज्यादा रेस्क्यू कॉल मिल रही हैं। वहीं शहर के भीतर वाटर स्नेक और अन्य सामान्य प्रजातियां नालों एवं जल निकासी मार्गों के जरिए रिहायशी क्षेत्रों तक पहुंच जाती हैं।

निर्माण कार्य और पेड़ों की कटाई भी वजह- सर्प मित्र महाकाल नगरी के राहुल मोकरीवाल ने बताया कि उज्जैन के आसपास नदियां, जल स्रोत और हरियाली होने से सांपों का प्राकृतिक आवास बड़ी संख्या में मौजूद है। लेकिन तेजी से हो रहे निर्माण कार्य, सड़क चौड़ीकरण और पेड़ों की कटाई के कारण उनका प्राकृतिक बसेरा प्रभावित हो रहा है। यही वजह है कि सांप अब रिहायशी इलाकों की ओर अधिक दिखाई दे रहे हैं।

उज्जैन में 8 से 10 स्नेक रेस्क्यूर सक्रिय- रेस्क्यू टीम के अनुसार शहर में वर्तमान में करीब 8 से 10 प्रशिक्षित स्नेक रेस्क्यूर सक्रिय हैं। अधिकांश लोग सोशल मीडिया या मोबाइल के माध्यम से टीम से संपर्क कर सांप निकलने की सूचना देते हैं, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर सुरक्षित रेस्क्यू किया जाता है।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

न्यूज ब्रीफ

चोइथराम मंडी में हम्माल की मौत, मंडी व्यवस्था पर उठे सवाल

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले की चोइथराम मंडी में एक हम्माल की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद मंडी की व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंडी क्षेत्र में नशाखोरी, चोरी और अवैध वसूली जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं है। उनका कहना है कि इन मुद्दों को लेकर आए दिन स्थानीय लोगों और संबंधित लोगों के बीच विवाद की स्थिति बनी रहती है। घटना के संबंध में पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही मौत के कारण और लगाए गए आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

जिला कोषालय में समस्या निवारण शिविर 16 एवं 17 को

इंदौर। शासकीय कार्यालयों में अकाउंट संबंधी पोर्टल में आने वाली तकनीकी और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए जिला कोषालय में 16 एवं 17 जुलाई को विशेष शिविर आयोजित किया गया है। अकाउंट संबंधी पोर्टल में आ रही तकनीकी समस्याओं का समाधान इस शिविर में किया जाएगा। यह शिविर 16 एवं 17 जुलाई 2026 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कलेक्टोरेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक जी-2 में आयोजित किया जा रहा है। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी सुश्री मोनिका कटारे ने कहा कि शिविर में पूर्व से लंबित तकनीकी समस्याओं के निराकरण का त्वरित निराकरण करने तथा इससे संबंधी निराकृत रऊ प्रचलित रऊ एवं रऊके लंबित प्रकरण तथा पूर्ण अभिलेख विवरण सहित सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं ।

कार्यालय संचालन के लिए 521 करोड़ 4 लाख की स्वीकृति

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार ने शहरों के कायाकल्प के लिए नगरीय अधोसंरचना विकास मद में 8 हजार 445 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसके साथ ही कैबिनेट ने किसानों के हित में मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रुपये की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए कुण्डलिया परियोजना को निरंतर रखने जैसे कई दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णयों पर मुहर लगायी है।

निःशुल्क कोचिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

इंदौर। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग संचालित की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रशिक्षण केन्द्र की सहायक आयुक्त एवं प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी प्रशिक्षण केन्द्र से आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित शीघ्र संस्थान में जमा करें तथा निःशुल्क कोचिंग का लाभ प्राप्त करें। लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु प्रवेश के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति वर्ग का निवासी होना आवश्यक है। आवेदक के परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच तथा स्नातक में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।

वैश्विक हवाई संपर्क, व्यापार, निवेश और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 जुलाई, बुधवार को इंदौर में मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 से वित्त पोषित प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवा इंदौर से आबू धाबी का शुभारंभ करेंगे। यह उड़ान प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी आबू धाबी से सीधे जोड़ेगी। टाटा समूह की विमानन इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित यह सेवा सप्ताह में चार दिन (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार) को उपलब्ध रहेगी। इंदौर से आबू धाबी हवाई सेवा प्रारंभ होने से मालवा-निमाड़ क्षेत्र की बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा। वर्तमान में इस मार्ग पर यात्रियों को दिल्ली अथवा मुंबई के माध्यम से यात्रा करनी पड़ती है, जिससे लगभग 7 से 8 घंटे का समय लगता है। नई उड़ान शुरू होने से यह यात्रा लगभग 3 घंटे 15 मिनट में पूरी हो सकेगी।

बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए जिलेभर में चलेगा विशेष अभियान

इंदौर। प्रदेशव्यापी दस्तक अभियान का शुभारंभ सोमवार को जिले में भी किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हसनानी के निर्देशन में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता ने अभियान का शुभारंभ किया। इसके साथ ही जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण विकासखंडों में भी अभियान प्रारंभ कर दिया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हासानी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों तक स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाएं प्रभावी रूप से पहुंचाना है। इसके लिए आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एएनएम के माध्यम से घर-घर जाकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। अभियान के दौरान विशेष रूप से हाई रिस्क क्षेत्रों, शहरी स्लम, दूरस्थ एवं दुर्गम बस्तियों, खानाबदोश परिवारों, ईंट-भट्ठों, बंजारा बस्तियों तथा निमार्णाधीन स्थलों पर रहने वाले बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इंदौर का सबसे बड़ा डबल डेकर फ्लाईओवर इसी माह होगा शुरू, फ्लाईओवर का काम अंतिम चरण में चल रहा

शहर के लोगों को ट्रेफिक के सिरदर्द से मिलेगी जल्द निजात

लोड टेस्टिंग में सफल रहने के बाद लवकुश चौराहा की अब इस भुजा से यातायात शुरू करने की तैयारी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

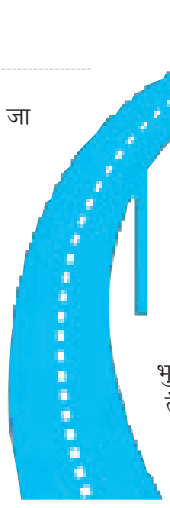

लवकुश चौराहा पर बनाए जा रहे शहर के सबसे बड़े डबल डेकर फ्लाईओवर का काम अंतिम चरण में पहुंच गया है। बाणगंगा से उज्जैन की तरफ जाने वाली भुजा के एक स्पान और बो स्ट्रिंग पर स्लैब डालने का काम बाकी है। साथ ही एप्रोच का कार्य भी होना है और इसमें करीब एक माह का समय लगेगा। वहीं उज्जैन से बाणगंगा की तरफ वाली भुजा का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। एक-दो स्थानों पर एप्रोच बनाई जानी है, जिसका कार्य किया जा रहा है। लोड टेस्टिंग में सफल रहने के बाद अब इस भुजा से यातायात शुरू करने की तैयारी है। इसके शुरू होने से चौराहे पर वाहनों का दबाव कम होगा।

अरबिंदो से बाणगंगा की तरफ जाने वाले वाहनों को मिलेगी हरी झंडी

क्योंकि अभी लवकुश चौराहा से बाणगंगा तरफ की सर्विस रोड बनाने से वाहनों को दूसरे रास्ते पर डायवर्ट किया गया है। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) इस माह डबल डेकर फ्लाईओवर की एक लेन से वाहनों का आवागमन शुरू कर सकता है। यह लेन अरबिंदो अस्पताल की ओर से आने वाले वाहनों को सीधे बाणगंगा की दिशा में ले जाएगी। इससे रोजाना हजारों वाहन चालकों को लवकुश चौराहे के ट्रैफिक सिग्नल और लंबे जाम से राहत मिलेगी। आईडीए ने इस भुजा की बो स्ट्रिंग और सीमेंट के सेगमेंट का लोड टेस्ट पूरा कर लिया है। तकनीकी कंसल्टेंट द्वारा भी सुरक्षा संबंधी रिपोर्ट और संचालन की मंजूरी दे दी गई है। अब फ्लाईओवर पर केवल अंतिम फिनिशिंग, लाइटिंग की टेस्टिंग और ट्रायल रन का काम बचा है।

अंतिम फिनिशिंग और एलईडी लाइटिंग का ट्रायल जारी

आईडीए सीईओ परीक्षित झाड़े का कहना है कि एक भुजा तैयार हो चुकी है, अंतिम फिनिशिंग के कार्य जारी हैं। आधुनिक एलईडी लाइटिंग की टेस्टिंग का कार्य भी किया जा रहा है। लवकुश चौराहा स्थित डबल डेकर फ्लाईओवर के शुरू होने से उज्जैन रोड और बाणगंगा की तरफ जाने वाले वाहनों को सुविधा मिलेगी। वहीं उज्जैन रोड से एमआर-10 पर आने वाली सर्विस रोड पर भी दबाव कम होगा। हालांकि अभी इसकी एक भुजा ही शुरू हो सकेगी और दूसरी भुजा के लिए करीब दो माह तक इंतजार करना होगा। उज्जैन रोड की ओर से आने वाले वाहन बिना चौराहे पर रुके सीधे बाणगंगा, मरीमाता और सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र की ओर जा सकेंगे। इससे यात्रा का समय घटेगा और चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव भी काफी कम होगा।

इंदौर पुलिस के साथ बदमाशों का डर खत्म, यहां गुंडे बेखौफ होकर खाकी पर भी हाथ उठा देते हैं

22 दिनों में पुलिस से मारपीट की तीसरी घटना

खौफ खत्म: एसआई से हाथापाई की और सिपाही को काटा

जिस पुलिस से आमजन को सुरक्षा मिलने की उम्मीद रहती है, वे खुद बदमाशों के हाथों पिट रहे हैं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शहर में बदमाशों के बढ़ते हौसले का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब वे पुलिसकर्मियों पर हमला करने से भी नहीं हिचक रहे हैं। जिस पुलिस से आमजन को सुरक्षा मिलने की उम्मीद रहती है, वे खुद बदमाशों के हाथों पिट रहे हैं। सोमवार रात अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में भी एक ऐसा ही मामला सामने आया। दरअसल यहां एक सेल्स गर्ल से लूट करने के साथ ही उसे रेलवे पटरी की ओर खींचकर ले जाने के आरोपितों ने पुलिस टीम पर ही हमला कर दिया। पिछले 22 दिनों में पुलिसकर्मियों से मारपीट की यह तीसरी घटना है, जिसने शहर में कानून-व्यवस्था और पुलिस की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटना सोमवार रात करीब नौ बजे प्रभुनगर रेलवे पटरी के पास हुई। राजेंद्र नगर निवासी 28 वर्षीय युवती, जो एक कपड़ा शोरूम में सेल्स गर्ल है, ड्यूटी से घर लौट रही थी। तभी पीछे से आए दो बदमाशों ने उसे दबोच लिया। शोर मचाने पर उसका मुंह दबा दिया और अंधेरे की ओर खींचकर ले जाने लगे। विरोध करने पर मारपीट की और मोबाइल लूट लिया। आसपास लोगों की आहट मिलने पर दोनों आरोपित भाग निकले। युवती के हाथ, कंधे और मुंह पर चोटें आई हैं।

पकड़ने गई पुलिस टीम पर भी हमला

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वैशाली नगर झोपड़पट्टी निवासी शंकर और संजू की पहचान हुई। एसआइ जितेंद्र सिंह तथा सिपाही ऋषिकेश और विश्वेश्वर आरोपितों को पकड़ने पहुंचे तो दोनों आरोपितों ने पुलिस टीम से भी हाथापाई कर दी। एसआइ से धक्का-मुक्की की गई, जबकि एक सिपाही को काट लिया। काफी मशक्कत के बाद दोनों को गिरफ्तार किया गया।

लूट की धारा बाद में जोड़ी गई- प्रकरण में यह आरोप भी सामने आया कि एफआइआर में मोबाइल लूटने का उल्लेख होने के बावजूद शुरुआत में लूट की धारा नहीं लगाई गई। बाद में आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद संबंधित धाराएं बढ़ाई गईं। इसे लेकर घटना की गंभीरता कम करके दिखाने के आरोप भी लगे हैं। बदमाशों ने युवती के पेंडल भी लूटना कुबूल लिया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में हुए उल्लेखनीय कार्य

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जल संरक्षण एवं जल संवर्धन की परिकल्पना के अनुरूप मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में 19 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया. अभियान के इस तृतीय चरण के अंतर्गत प्रदेश के गांव-गांव, नगर-नगर में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य जन सहयोग से व्यापक रूप से कराए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने मंगलवार को मंत्रालय में अभियान के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों से संबंधित पुस्तिका भेंट की. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अभियान की सफलता के लिए मंत्री श्री सिलावट सहित विभाग की पूरी टीम को बधाई दी. इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री राजेश राजौरा भी उपस्थित थे। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि प्रदेश में गत तीन वर्षों से यह अभियान सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत वर्षा काल के पूर्व जल स्त्रोतों की साफ सफाई, जीणोद्धार एवं आवश्यक मरम्मत आदि कार्य कराए गए।

स्कूल में बच्चों के बीमार होने की घटना के बाद जिला प्रशासन सख्त

शिशुकुंज एजुकेशनल सोसायटी को सूचना पत्र जारी

कमियां दूर करने के निर्देश, पुनः निरीक्षण के बाद ही खाद्य गतिविधियां प्रारंभ करने की अनुमति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

हाल ही में एक निजी विद्यालय में भोजन ग्रहण करने के उपरांत बच्चों के अस्वस्थ होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में संचालित मेस एवं कैंटीनों की सघन जांच लगातार की जा रही है।

इसी क्रम में विगत 22 जून 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा शिशुकुंज एजुकेशनल सोसायटी बायपास रोड झलारिया इंदौर का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों से संबंधित कई गंभीर कमियां पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के अंतर्गत संस्थान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया है। निरीक्षण में पाया गया कि खाद्य निर्माण क्षेत्र की खिड़कियां उचित रूप से कवर नहीं थीं, जिससे कीट एवं अन्य पेस्ट के प्रवेश की संभावना बनी हुई थी।

एप्रन एवं ग्लव्स का उपयोग नहीं हो रहा था

रॉ-मैटेरियल का भंडारण अव्यवस्थित था तथा एक्सपायरी खाद्य पदार्थ भी संग्रहित पाए गए। खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी तथा खाद्य निर्माण में प्रयुक्त कुछ बर्तन फूड ग्रेड सामग्री के स्थान पर एल्यूमिनियम के पाए गए। इसके अतिरिक्त उपयोग किया हुआ कुकिंग ऑयल किचन में ही संग्रहित पाया गया। डीप फ्रीजर में तापमान नियंत्रण प्रणाली एवं तापमान प्रदर्शित करने वाला डिस्प्ले उपलब्ध नहीं था। फूड हैंडलर्स केवल कैप का उपयोग करते पाए गए, जबकि एप्रन एवं ग्लव्स का उपयोग नहीं किया जा रहा था। निर्माण में प्रयुक्त पानी की नवीनतम जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी।

निरीक्षण के दौरानकुल 23 नमूने लिए गए थे

निरीक्षण के दौरान लिए गए कुल 23 खाद्य नमूनों में से ड्रिंकिंग वाटर, सोयाबीन तेल, ब्रीओ नमकीन, तुअर दाल एवं अमूल स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम के नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इन मामलों में संबंधित वैधानिक कार्रवाई भी प्रचलन में है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संस्थान को निर्देशित किया गया है कि 14 दिवस के भीतर निरीक्षण के दौरान पाई गई सभी कमियों का निराकरण कर आवश्यक दस्तावेजों सहित अनुपालन प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में संतोषजनक अनुपालन प्रस्तुत नहीं किए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार लाइसेंस/पंजीयन के निलंबन सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

31 जुलाई तक बीमा अवश्य कराएं किसान

इंदौर। किसान बंधु वर्ष अल-नीनो के संभावित प्रभाव से अनियमित वर्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें। किसान कल्याण विभाग ने किसान बंधुओं से अपील की है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई तक अवश्य कराएं।

झूठी शिकायत के मामले में 5 करोड़ का नोटिस

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कांग्रेस नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता हर्ष जैन की ओर से अधिवक्ता सुजय शुक्ला के माध्यम से राहुल शर्मा, प्रिया शर्मा एवं अधिवक्ता राजवर्धन शांडिल्य को विस्तृत कानूनी नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि इन व्यक्तियों ने आपसी षड्यंत्र के तहत झूठी आपराधिक शिकायत दर्ज कराई, झूठे साक्ष्य प्रस्तुत किए तथा सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से असत्य एवं मानहानिकारक आरोपों का प्रचार-प्रसार कर हर्ष जैन की सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठा को गंभीर क्षति पहुँचाने का प्रयास किया।

नोटिस के अनुसार, थाना कनाड़िया द्वारा की गई विस्तृत पुलिस जांच में कॉल डिटेल रिकॉर्ड, मोबाइल लोकेशन, स्वतंत्र गवाहों के बयान एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर यह स्पष्ट पाया गया कि शिकायत में लगाए गए आरोप असत्य थे। जांच अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया कि कथित घटना घटित नहीं हुई तथा शिकायत झूठे तथ्यों के आधार पर केवल हर्ष जैन को फँसाने के उद्देश्य से दर्ज कराई गई थी।

नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि शिकायत दर्ज होने से पूर्व हर्ष जैन से धनराशि की मांग की गई तथा भुगतान न करने पर झूठे आपराधिक प्रकरण में फँसाने की धमकी दी गई। इस संबंध में कॉल रिकॉर्डिंग उपलब्ध होने का भी उल्लेख नोटिस में किया गया है।

इंदौर कलेक्टर ने सुनीं संवेदनशीलता से समस्याएं

मौके पर दिए त्वारित समाधान के निर्देश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आयोजित हो रही साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त माध्यम बना रही है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की।

जनसुनवाई में एक भावुक पल उस समय देखने को मिला, जब श्रीमती भावले अपनी तीन नातियों सुश्री सिद्धि भावले, तमन्ना भावले एवं हिमांशी भावले के साथ अपनी समस्या लेकर पहुंचीं। उन्होंने कलेक्टर शिवम वर्मा को बताया कि बच्चियों के माता-पिता का स्वर्गवास हो चुका है, जिसके बाद उनके पालन-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन पर आ गई है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे बच्चियों की स्कूल फीस जमा नहीं हो पा रही हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने उनकी बात गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को बच्चियों की स्कूल फीस माफ कराने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने एवं शासन की पात्रतानुसार योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी निर्देशित किया। प्रशासन की इस संवेदनशील पहल से बच्चियों और उनकी नानी के चेहरे पर मुस्कान लौट आई तथा उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसी प्रकार दिव्यांग बालक मिहिर चौहान अपने पिता श्री लखन चौहान के साथ जनसुनवाई में पहुंचे। श्री लखन चौहान ने बताया कि उनके पुत्र को सुनने में परेशानी होती है और उसके कान में श्रवण यंत्र लगा हुआ है। श्रवण यंत्र की बैटरी समाप्त हो जाने के कारण उसे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण नई बैटरी खरीदने में असमर्थ है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बालक की समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल 18 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के फैसले पर संत समाज ने जताई खुशी

पवित्र नदी अब सरकारी रिकॉर्ड में 'शिप्रा' दर्ज हुई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिप्रा, शिप्रा या क्षिप्रा क्या है सही?

उज्जैन के धर्माधिकारी एवं तीर्थ पुरोहित पंडित नारायण उपाध्याय के अनुसार इस नदी को तीन नामों से जाना गया है। सिप्रा, शिप्रा और क्षिप्रा। 'सिप्रा' नाम मालवा में 'श' को 'स' बोलने की स्थानीय परंपरा के कारण प्रचलित हुआ। स्कंद पुराण में भी इसका उल्लेख मिलता है। वहीं महाकवि कालिदास ने अपने 'मेघदूत' में स्पष्ट रूप से शिप्रा शब्द का प्रयोग किया है। महाभारत, शिव पुराण और श्रीमद्भागवत पुराण में भी शिप्रा नदी की महिमा का वर्णन मिलता है। इसी नदी के तट पर स्थित सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और सुदामा ने शिक्षा ग्रहण की थी।

सिंहस्थ 2028 से पहले उज्जैन की पवित्र नदी के नाम को लेकर चला आ रहा संशय अब खत्म हो गया है। भोपाल में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा आपत्ति जताने के बाद राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि अब सरकारी दस्तावेजों में नदी का नाम 'क्षिप्रा' नहीं, बल्कि 'शिप्रा' लिखा जाएगा।

मुख्यमंत्री के इस फैसले का संत समाज, विद्वानों और तीर्थ पुरोहितों ने स्वागत किया है। उनका कहना है कि संस्कृत व्याकरण, प्राचीन कोशों, वैदिक मंत्रों और पौराणिक ग्रंथों के अनुसार नदी का शुद्ध एवं मूल नाम शिप्रा ही है, जबकि क्षिप्रा समय के साथ प्रचलित हुआ एक अपभ्रंश रूप है। रामानुजकोट के महंत रामानंदाचार्य ने कहा कि संस्कृत-हिंदी कोश में शिप्रा शब्द स्त्रीलिंग में वर्णित है। इसकी व्युत्पत्ति 'शिप' शब्द से मानी गई है। व्याकरण की दृष्टि से 'श' वाला शिप्रा ही शुद्ध है। उनके अनुसार यह एक विशेष सरोवर से निकली नदी का नाम है, जिसके तट पर उज्जयिनी नगरी बसी है। उनका कहना है कि संस्कृत व्याकरण, पौराणिक ग्रंथों और वैदिक मंत्रों के अनुसार नदी का शुद्ध नाम शिप्रा ही है, जबकि क्षिप्रा समय के साथ प्रचलित हुआ अपभ्रंश रूप है। संस्कृत व्याकरण के आधार पर 'शिप्रा' ही सही शब्द है और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उसका शुद्ध रूप पुनः स्थापित किया है। वैदिक मंत्रों और पौराणिक ग्रंथों में स्पष्ट रूप से शिप्रा शब्द का ही उल्लेख मिलता है।

देवास जिले की पारेषण क्षमता में हुई अतिरिक्त वृद्धि

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश सरकार के उपक्रम मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने देवास जिले की पारेषण प्रणाली को सुदृढता प्रदान करते हुए 220 केवी सबस्टेशन चापडा की क्षमता वृद्धि कर 50 एमवीए क्षमता का एक अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊजीर्कृत किया है। इस ट्रांसफार्मर के ऊजीर्कृत होने से सबस्टेशन की स्थापित ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी बढ़कर 153 एमवीए की हो गई है। इ इससे सबस्टेशन में सिंचाई के लिए एनवीडीए के पंप हाउस फीडर के साथ क्षेत्र मे सिंचाई एवं घरेलू लोड का उचित प्रबंधन किया जा सकेगा। अधीक्षण अभियंता अनिल सक्सेना ने बताया कि देवास जिले में अपने 12 सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण का कार्य करती है, जिसमें 220 केव्ही सबस्टेशन देवास व चापड़ा तथा 132 केव्ही के आगरोद, सोनकच्छ, किशनगढ़. कन्नौद, खातेगांव एवं सतवास शामिल हैं।

क्या आशा केवल भविष्य में है? क्या जो बीत चुका है, उसमें वह नहीं होती? आगे और पीछे ले जाने वाली विचार की दोनों गतिविधियों में आशा निहित है। आशा समय की प्रक्रिया है। आशा जो सुखद था और जिसे सुधारा जा सकता है, उसके सातत्य की कामना है और उसका विपरीत है नैराश्य, हताशा। हम आशा और हताशा के बीच झूलते रहते हैं। हम कहते हैं कि हम जी रहे हैं, क्योंकि आशा है। हम कहते हैं कि हम आशा के सहारे जीते हैं, लेकिन क्या ऐसा है? जब भविष्य या अतीत हम पर हावी रहे, तो क्या वह जीना हुआ? क्या जीना अतीत की भविष्य की ओर गति है? जब आने वाले कल की चिंता रहती है, तब क्या आप जी रहे होते हैं? चूंकि वह कल इतना महत्वपूर्ण बन गया है, इसीलिए यह लाचारी और हताशा है। आने वाले कल की आशा की खातिर आप आज की बलि चढ़ाते हैं; किंतु खुशी हमेशा इस पल में होती है। जो नाखुश हैं, वे ही आगामी कल की चिंता से अपने जीवन को भर लेते हैं, जिसे वे आशा कहते हैं। खुशी-खुशी, प्रसन्नतापूर्वक जीना तो बिना किसी आशा के जीना है। आशावान मनुष्य प्रसन्न मनुष्य नहीं है; वह बस हताशा को जानता है। आशाहीन अवस्था आशा अथवा द्वेष का, हताशा या उज्वल भविष्य का प्रक्षेपण करती है। क्या एक ऐसी अवस्था नहीं है, जो न आशा है और न ही आशाहीनता; वह एक अवस्था, जो परम आनंद है? जब आप स्वयं को खुश समझते थे, तब आपमें आशा नहीं थी। है न? पहले आप आशा और आशाहीन स्थिति का सत्य देख लीजिए। बस यह देखिए कि कैसे आप मिथ्या में, आशा के विभ्रम में और फिर हताशा में जकड़े रहे। इस प्रक्रिया का निष्क्रिय अवलोकन कीजिए। यह उतना आसान नहीं है, जितना सुनने में लगता है।

आप पूछ रहे हैं कि प्रसन्नता की अवस्था में कैसे रहा जाता है? क्या यह प्रश्न ही आशा पर आधारित नहीं है? आपने जो खोया, उसे आप फिर से प्राप्त करना चाहते हैं, अथवा आपकी इच्छा किसी साधन से उस पर पुनः स्वामित्व पा लेने की है। यह प्रश्न कुछ प्राप्त करने की, कुछ बनने की, कहीं पहुंचने की इच्छा को इंगित करता है। है न? जब आपके सामने एक उद्देश्य है, आपकी दृष्टि में एक लक्ष्य है, तब आशा ही है; इसलिए आप अपनी ही अप्रसन्नता में फिर से अटक जाते हैं।

आशा की राह भविष्य की राह है, किंतु खुशी कभी समय का मसला नहीं होती। जब खुशी थी, तब आपने कभी नहीं पूछा कि उसमें निरंतर कैसे रहें; यदि आपने यह पूछा होता, तो नाखुशी का स्वाद आपको तभी मिल गया होता। आपकी समस्या अप्रसन्नता, नाखुशी है और उसे समझने के लिए सभी समस्याओं से मुक्त रहना आवश्यक है।

सम्पादकीय

अंकित को इंसाफ

इस बर्बर हत्याकांड के पीड़ित परिजनों को ही नहीं, इंसाफपसंद हरेक भारतीय को इस क्षण का इंतजार था और करीब सवा छह साल बाद उनका यह इंतजार खत्म हुआ है। साल 2020 में दिल्ली दंगों के दौरान 25 फरवरी को जिस बेरहमी से आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या की गई थी, उसने देशवासियों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अंकित के शरीर पर चाकुओं के 51 निशान हत्यारों की निर्ममता की गवाही दे रहे थे। सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह के 13 जुलाई के फैसले से यह साफ हो गया है कि इस बर्बर कृत्य को अंजाम देने वाले कौन लोग थे और उस दंगे के दौरान उन्होंने किस कदर कहर बरपाया था। अदालत ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच आरोपियों को अंकित की हत्या का दोषी करार दिया है, जबकि छह अन्य आरोपियों को सुबूतों के अभाव में बरी कर दिया है, तो इससे यही साबित हुआ है कि भारतीय न्याय-व्यवस्था नीर-क्षीर-विवेक फैसला करती है। बहरहाल, मुजरिमों की सजा पर अभी बहस होनी है, मगर यह तय है कि कानून उनके साथ नरमी नहीं बरतेगा। बरतना भी नहीं चाहिए। वैसे भी, काफी वक्त जाया हो चुका है।

साल 2020 का दिल्ली दंगा आधुनिक भारत की सबसे शर्मनाक घटनाओं में इसलिए गिना जाएगा कि यह घटना न सिर्फ देश की राजधानी के एक हिस्से में घटित हुई, बल्कि ठीक उस समय घटी, जब नई दिल्ली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगवानी कर रही थी। नागरिकता (संशोधन) कानून 2019 यानी सीएए के विरोध में भड़की नफरत की आग ने उन छह दिनों में 53 नागरिकों को निगल लिया था। दशकों से पड़ोसी की तरह जी रहे लोग एक-दूसरे के खून के प्यासे क्यों हो गए थे? यह ताहिर हुसैन की संलिप्तता और दूसरे नेताओं के भड़काऊ भाषणों से स्पष्ट हो जाना चाहिए। गौरतलब है, यह दंगा दिल्ली पुलिस की नाकामियों के लिए भी याद किया जाएगा। इस सांप्रदायिक दंगे को लेकर 700 से अधिक एफआईआर दर्ज हुईं और ज्यादातर मामलों में पुलिस की तफ्तीश इतनी लचर रही कि आरोपी सुबूतों के अभाव में बरी हो गए। पिछले महीने की शुरूआत में ही शिव विहार में अनवर की कथित हत्या के आरोपी बरी हुए थे, जबकि इसके पहले अप्रैल में जौहरीपुर पुलिया पर मुशर्रफ के कत्ल के सभी 12 आरोपियों को अदालत ने बरी कर दिया था।

लाभ का लालच ठगी का रामबाण

लुटेरों का नया अवतार अदृश्य साइबर ठग

सुबह की शुरूआत चाय और अखबार से होती है। आज मेरा ध्यान ग्वालियर से बड़ी साइबर ठगी की ओर गया, जिसमें 70 वर्षीय उद्योगपति अशोक विजयवर्गीय से डिजिटल निवेश और भारी मुनाफे का झांसा देकर 21 करोड़ 6 लाख रुपये ठग लिए गए। साइबर अपराधियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क कर उन्हें फर्जी निवेश योजना में फंसाया और धीरे धीरे पूरी राशि अपने खातों में स्थानांतरित करा ली।

आचार्य ललित मुनि
(दैनिक अवन्तिका)

लगभग हर दिन किसी न किसी समाचार में पढ़ने को मिलता है कि किसी से लाखों रुपये की ऑनलाइन ठगी हो गई। कहीं किसी से डिजिटल हाउस अरेस्ट के नाम पर करोड़ों रुपये ऐंठ लिए गए, कहीं बैंक अधिकारी बनकर खाते खाली कर दिए गए, तो कहीं निवेश के नाम पर जीवन भर की कमाई लूट ली गई। आश्चर्य की बात यह है कि इन घटनाओं की निरंतर चर्चा होने के बाद भी ठगी की संख्या कम नहीं हो रही है। प्रश्न यह है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। इसका उत्तर केवल तकनीक में नहीं, बल्कि मनुष्य के मनोविज्ञान में छिपा है। साइबर अपराधी कंप्यूटर से पहले मानव मस्तिष्क को हैक करते हैं। वे जानते हैं कि किस प्रकार भय, लालच, भरोसा और जल्दबाजी का लाभ उठाकर किसी भी व्यक्ति से उसकी मेहनत की कमाई निकलवाई जा सकती है।

भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूपीआई भुगतान, इंटरनेट बैंकिंग, ऑनलाइन खरीदारी और डिजिटल सेवाओं ने जीवन को सरल बनाया है। लेकिन सुविधा के साथ खतरे भी बढ़े हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर प्रतिदिन हजारों शिकायतें दर्ज होती हैं। करोड़ों रुपये की ठगी हर महीने सामने आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक घटनाओं की संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि बहुत से लोग सामाजिक संकोच या निराशा के कारण शिकायत तक नहीं करते।

पिछले कुछ वर्षों में साइबर अपराधियों ने ठगी के ऐसे नए तरीके विकसित किए हैं, जिनकी कल्पना भी कुछ वर्ष पहले कठिन थी। इनमें सबसे चर्चित तरीका है डिजिटल हाउस अरेस्ट। इस ठगी में अपराधी स्वयं को सीबीआई, पुलिस, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स ब्यूरो या दूरसंचार विभाग का अधिकारी बताकर फोन करते हैं। वे कहते हैं कि आपके आधार कार्ड से अपराध हुआ है, आपके बैंक खाते का उपयोग धन शोधन में हुआ है या आपके नाम से अवैध सिम कार्ड जारी हुआ है। इसके बाद व्यक्ति को वीडियो कॉल पर जोड़ा जाता है। कई बार नकली पुलिस वर्दी, सरकारी कार्यालय जैसे कमरे और फर्जी पहचान पत्र भी दिखाए जाते हैं ताकि सामने वाले को विश्वास हो जाए। इसके बाद पीड़ित को कहा जाता है कि वह किसी से बात न करे। उसे घर से बाहर न निकलने और लगातार वीडियो कॉल पर बने रहने के लिए कहा जाता है। यही स्थिति डिजिटल हाउस अरेस्ट कहलाती है। फिर जांच के नाम पर बैंक खातों का विवरण लिया जाता है और धन को तथाकथित सुरक्षित खाते में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया जाता है। जब तक व्यक्ति को सच्चाई समझ आती है, तब तक उसकी जीवन भर की जमा पूंजी अपराधियों के खातों में पहुंच चुकी होती है।

कुछ समय पहले देश के अनेक शहरों में ऐसे मामले सामने आए, जिनमें चिकित्सकों, प्रोफेसरों, सेवानिवृत्त अधिकारियों और व्यवसायियों से करोड़ों रुपये इसी तरीके से ठग लिए गए। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि साइबर अपराध केवल कम शिक्षित लोगों की समस्या नहीं है। उच्च शिक्षित और अनुभवी लोग भी भय तथा मानसिक दबाव में गलत निर्णय ले सकते हैं।

एक अन्य सामान्य तरीका बैंक अधिकारी बनकर फोन करना है। अपराधी कहते हैं कि आपका केवाईसी पूरा नहीं हुआ है, आपका एटीएम बंद हो जाएगा या आपका बैंक खाता निष्क्रिय होने वाला है। इसके बाद वे ओटीपी, कार्ड संख्या, सीवीवी अथवा यूपीआई पिन पूछते हैं। जैसे ही व्यक्ति जानकारी साझा करता है, खाते से धन निकल जाता है।

आजकल निवेश के नाम पर भी बड़े पैमाने पर ठगी हो रही है। सोशल मीडिया पर आकर्षक विज्ञापन दिखाई देते हैं जिनमें कुछ दिनों में दोगुना या तीन गुना लाभ देने का दावा किया जाता है। प्रारंभ में अपराधी थोड़ी राशि पर नकली लाभ दिखाकर विश्वास जीतते हैं। जब व्यक्ति बड़ी राशि निवेश करता है, तब पूरा मंच ही गायब हो जाता है।

रोजगार के नाम पर भी बड़ी संख्या में लोग ठगे जा रहे हैं। घर बैठे काम करने, वीडियो लाइक करने, होटल की रेटिंग देने या सोशल मीडिया पर छोटे छोटे कार्य करने के बदले हजारों रुपये प्रतिदिन कमाने का लालच दिया जाता है। पहले कुछ रुपये देकर भरोसा बनाया जाता है और बाद में सुरक्षा राशि या निवेश के नाम पर लाखों रुपये ठग लिए जाते हैं।

क्यूआर कोड भी ठगी का एक बड़ा माध्यम बन गया है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि क्यूआर कोड स्कैन करने से पैसा प्राप्त नहीं होता बल्कि भुगतान भी हो सकता है। अपराधी कहते हैं कि पुरस्कार राशि लेने या सामान का भुगतान पाने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें। जैसे ही व्यक्ति ऐसा करता है, उसके खाते से धन निकल जाता है।

ओटीपी साझा करने की गलती आज भी सबसे अधिक होती है। बैंक और सरकारी संस्थाएं बार बार चेतावनी देती हैं कि ओटीपी किसी को न बताएं, फिर भी लोग विश्वास करके यह जानकारी दे देते हैं। याद रखना चाहिए कि कोई भी बैंक, रिजर्व बैंक, पुलिस या सरकारी विभाग कभी फोन करके ओटीपी या यूपीआई पिन नहीं मांगता।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की रिकॉर्डिंग लेकर उसी जैसी आवाज तैयार कर लेते हैं। इसके बाद परिवार के सदस्य को फोन करके कहते हैं कि मैं संकट में हूं, तुरंत पैसे भेजो। कई मामलों में लोग अपने परिचित की आवाज पहचानकर तुरंत धन भेज देते हैं और बाद में पता चलता है कि वह आवाज कृत्रिम रूप से बनाई गई थी। इन घटनाओं के बावजूद लोग ठगी का शिकार क्यों हो जाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कि अपराधी व्यक्ति को सोचने का समय ही नहीं देते। वे भय पैदा करते हैं, जल्दबाजी कराते हैं और बार बार कहते हैं कि यदि अभी निर्णय नहीं लिया तो गिरफ्तारी हो जाएगी, बैंक खाता बंद हो जाएगा या कानूनी कार्रवाई होगी। भय की स्थिति में मनुष्य का विवेक कमजोर पड़ जाता है।

दूसरा कारण लालच है। जब बिना मेहनत के अधिक लाभ का वादा किया जाता है तो अनेक लोग जोखिम उठा लेते हैं। यह भूल जाते हैं कि यदि कोई योजना सचमुच इतनी लाभकारी होती तो उसे व्यक्तिगत संदेश भेजकर नहीं बेचा जाता।

तर्पण का आखिरी घूंट

बनारस के मणिकर्णिका घाट पर चिताओं की लपटें आसमान को इस तरह चाट रही थीं जैसे कोई भूखा कुत्ता आखिरी हड्डी पर झपट रहा हो। पंडित भालचंद्र शास्त्री अपने फटे हुए झोले को छाती से चिपकाए घाट की आखिरी सीढ़ी पर बैठे थे जहाँ गंगा का मटमैला पानी उनके जर्जर पैरों को बार-बार छूकर लौट जाता था। लोग उन्हें सनकी समझते थे क्योंकि वे हर आती-जाती लाश को देखकर एक अजीब सी हँसी हँसते थे जिसमें व्यंग्य का नमक और भीतर बहते जख्मों का मवाद एक साथ घुला होता था। आज सुबह से ही शहर में एक अजीब सा सन्नाटा था मानो हवा ने अपनी सांसें रोक ली हों और घाट पर आने वाले डोम राजा भी मौन व्रत धारण कर चुके हों। भालचंद्र जी ने अपनी धुंधली आँखों पर चश्मा टिकाया और सामने जलती एक अनाम चिता की राख को उड़ते देखा तो उनके भीतर एक बेनाम करुणा का ज्वार उठा जो सीधे आत्मा के कपाट खटखटाता है। उन्होंने अपने झोले में हाथ डाला और उस मुड़े-तुड़े कागज को टटोला जिसके भीतर पूरे अस्सी साल की मुफलिसी और एक ऐसा गहरा राज दफन था जिसकी भनक इस घाट पर खड़े किसी भी ज़िंदा इनसान को नहीं थी। तभी उनके पीछे से एक कड़कती आवाज आई जिसने सन्नाटे को चीर दिया और भालचंद्र जी का पूरा बदन काठ की तरह कड़ा हो गया।

अरे ओ शास्त्री बाबू, आज कौने जनम का बदला चुकाने के लिए यहाँ आसन जमाए बैठे हो? घाट के पुराने मल्लाह घसीटे ने अपनी नाव की पतवार को जमीन पर पटकते हुए कहा। भालचंद्र जी ने पलटकर देखा और एक ठंडी आह भरकर बोले घसीटे, जब ज़िन्दगी खुद एक बहुत बड़ा बदला बन जाए तो मौत का तमाशा देखने में ही असली तृप्ति मिलती है, आज यहाँ एक ऐसा मुसाफि र आने वाला है जिसका इंतजार मैं पिछले चालीस सालों से कर रहा हूँ। घसीटे ने तंबाकू थूकते हुए कहा काहे जवानी के मुर्दों को उखाड़ रहे हो बाबू, यहाँ तो रोज सैकड़ों आते हैं और माटी में मिल जाते हैं, तुम्हारा कौन सा ऐसा सगा छूट गया है जिसके लिए आँखों का पानी सुखाकर पत्थर हो गए हो? भालचंद्र जी ने मुस्कुराने की नाकाम कोशिश की पर उनकी आँखों के कोरों से दो बूंद आंसू टपककर सीधे गंगा के आंचल में समा गए मानो वे पानी से ही पानी का हिसाब मांग रहे हों।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 16 जुलाई 2026 गुरुवार
सूर्योदय - 05:54 सूर्यास्त 19:12
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष
राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक
तिथि - दुतिया 08:52 उपरांत तृतीया
नक्षत्र - अश्लेषा 19:52 उपरांत मघा
योग - सिद्धि 25:22 उपरांत व्यतिपात
करण - कौलव
चन्द्रमा - कर्क में है। 19:52 पर सिंह में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास-सावान मास 01 तारिख

मेष- दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृषभ- आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन- संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है।

कर्क- कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे।

सिंह- कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी।

कन्या- निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। धनार्जन होगा।

तुला- अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक- पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु- परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी।

मकर- वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुंभ- कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है।

मीन- किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे।

(व्यंग बाण)

टीवी स्टूडियो बन जाए, जब हाट बाजार

जब भी मैं न्यूज चेनल या टीवी शो में राजनैतिक, सामाजिक या धार्मिक डिबेट (बहस) देखता हूँ, तो मुझे मेरे गाँव का साप्ताहिक हाट या सब्जी मंडी याद आने लगता हैं` जहाँ चारो ओर मात्र शोरगुल, कोलाहल की आवाज सुनाई देती हैं , समझ कुछ नहीं आता हैं` उस मार्केट में आड़तिया सब्जी की एक पोटली के बारे में परिचय देता हैं और पहली बोली लगाता हैं, उसके बाद तो नजारा देखने लायक होता हैं` आड़तिया भी दूर खड़े मंद-मंद मुस्कुराहट लिए देखता रहता हैं। उस पोटली के लिए ग्राहक बढ़ चढ़कर बोली लगाते हैं। खूब हल्ला मचता हैं, खूब शोरगुल मचता हैं। मैंने, उस एक पोटली को हासिल करने के लिए खींचतान मचते भी देखा हैं और जूतम- पैजार भी देखी हैं।

नीतिश नागर
(दैनिक अवन्तिका)

वैसे ही टीवी शो के एंकर बहस के लिए चयनित विषय में से कुछ प्रश्नों की पोटली तैयार करते हैं और वही पोटली अतिथि विश्लेषकों, विभिन्न पार्टी प्रवक्ताओं के सामने परोस देते हैं` उसके बाद जो शुरू होता हैं वो मात्र शोरगुल और कोलाहल के सिवाय कुछ नहीं होता` एक बात पल्ले नहीं पड़ती हैं। अरे ! विषय विशेषज्ञों और बुद्धिजीवी प्रवक्ताओं अपनी-अपनी बात रखने का आपको भरपूर अवसर मिलेगा` लेकिन नहीं हमे तो एक साथ, एक स्वर में बोलकर एकता का प्रदर्शन करना हैं` लोगों को यह दिखाना हैं कि- हम सबसे श्रेष्ठ बुद्धिजीवी हैं` अरे ! वो तो आप हैं ही, इसमें कोई संशय नहीं हैं , तभी तो आप टीवी शो में विराजित हैं` जनता सब जानती हैं, दिखाना जरूरी नहीं हैं` आपको यह जानना हैं कि- ये एक टीवी शो स्टूडियो हैं, कोई सब्जी मंडी या हाट बाजार नहीं हैं।

एंकर को भी चाहिए कि झ वह एक-एक करके सबको बोलने का मौका द। बीच में रोकने या टोकने वाले की आवाज को म्यूट करे, ताकि जो बोल रहा हैं उसे बोलने का भरपूर अवसर मिले। लेकिन एंकर ऐसा नहीं करते हैं क्यों ? वे भरपूर शोरगुल होने देते हैं क्यों ? कभी-कभी बहस जूतम-पैजार की स्थिति में पहुँचने देते हैं क्यों ? इस तरह बुद्धिजीवियों के आपस में ईगो टकराने लगते हैं। टीवी चेनल ये सब होने देता हैं , और एंकर दूर बैठे मुस्कराता रहता हैं।

इस बारे में कुछ लोगों का कहना हैं कि टीवी चेनल अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए ये सब करता हैं। टीआरपी का अर्थ हैं टेलीविजन रेटिंग पॉइंट अर्थात यह एक विशिष्ट लक्षित दर्शक वर्ग में किसी शो को देखने वाले कुल दर्शकों का प्रतिशत दशार्ता है। टीआरपी जितनी अधिक होगी, शो उतना ही लोकप्रिय या देखा जाने वाला माना जाएगा। कितना हास्यास्पद हैं, लोगों को जिस डिबेट की एक बात समझ नहीं आती, क्योंकि शोरगुल और कोलाहल ही इतना रहता हैं, तो ऐसे चेनल की टीआरपी बढ़ेगी या घटेगी, ये मेरी समझ से परे हैं जो शो समझ में आएगा वही तो देखा जाएगा, नहीं तो टेलीविजन बंद कर देगा या चेनल बदल लेगा। क्या वाकई में दुनिया उल्टी हैं या क्या पता यह मेरी सोच हैं ?, हो सकता हैं मैं ही उल्टा सोच रहा हूँ।

उसूल भूल गए...?

सादगी की राहों पर जो चुपचाप बढ़ गया,
ईमान का दीप बनकर अँधेरों से लड़ गया।
जिनके महलों में भी ‘सेवा’ का ही शोर है,
इस हिसाब में हर सुविधा का कोई छोर है।
कुर्सी मिली तो जनता का ही नाम भूल गए,
भत्तों की 'फेहरिस्त' में सारे उसूल भूल गए।
एक जनाब पैदल चलकर मिसाल लिख रहे,
बाकी तो लाल बत्ती में भी सवाल लिख रहे।
रिश्वत की धूल से जब 'आईना' धुंधला हुआ,
सच का चेहरा देख के हर चेहरा मिला हुआ।
यहाँ गांधी के नाम पे भाषण तो रोज हो गए,

संजय एम. तराणेकर
(दैनिक अवन्तिका)

थियेटर में मूवी देखते वक्त खाते हैं पॉपकॉर्न? तो हो जाएं सावधान

थियेटर में मूवी देखने जाते हैं तो पॉपकॉर्न तो जरूर खाते होंगे, लेकिन क्या आपको पता है कि ये पॉपकॉर्न हमें फायदे की जगह नुकसान पहुंचाता है। यूं तो पॉपकॉर्न बहुत फायदेमंद होता है मगर मल्टीप्लेक्स में मिलने वाले फ्लेवर वाले, मसाले वाले, चीज, बटर वाले पॉपकॉर्न्स जहर के समान हैं। सादे पॉपकॉर्न पर हल्का फुल्का नमक छिड़ककर खाया जाए तो ये बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन जैसे ही इसपर मसाले, बटर, चीज आदि डालते हैं, ये हेल्दी की जगह अनहेल्दी हो जाता है।

सादा पॉपकॉर्न दुनिया के सबसे हेल्दी स्नैकफूड में से एक है। सबसे सस्ता और सेहत के लिए बहुत अच्छा। साइंटिस्ट और हर्बल मेडिसिन एक्सपर्ट ने बताया कि सिर्फ 100 ग्राम पॉपकॉर्न हमें बहुत फायदा पहुंचाता है। इसमें फाइबर्स, विटामिन इ कॉम्प्लेक्स, फॉस्फोरस, जिंक, मैगनीज और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। दिन में आपको 30 ग्राम फाइबर की जरूरत होती है, 100 ग्राम पॉपकॉर्न उसकी 50% भरपाई कर देता है। यूनिवर्सिटी ऑफ स्क्रेण्टन ने एक स्टडी में बताया कि पॉपकॉर्न में बहुत अच्छी मात्रा में पॉलीफिनॉल एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, ये पॉलीफिनॉल हमारे ब्लड सर्कुलेशन के लिए बड़े महत्वपूर्ण होते हैं। साथ ही ये पॉपकॉर्न पेट की सेहत को दुरुस्त रखने में भी अहम रोल निभाते हैं।

फाइबर्स खूब पाए जाने के कारण डायबेटिक रोगियों और मोटापे से त्रस्त लोगों के लिए पॉपकॉर्न बहुत फायदेमंद है। हर रोज 100 ग्राम सादे पॉपकॉर्न खाएं, पूरा 15 ग्राम फाइबर मिलेगा, पेट भरा-भरा सा भी रहेगा और शरीर को आवश्यक पोषक तत्व भी मिलेंगे। वहीं दूसरी तरफ मॉल में मिलने वाले पॉपकॉर्न, वेफर्स, पोटैटो चिप्स आदि हमारी आंतों के लिए जहर के समान होते हैं। पॉपकॉर्न खाना सेहत के लिए बहुत खास है लेकिन ध्यान रहे मिर्च मसाला, पेरी पेरी, चीज, बटर के बिना।

100 ग्राम सादे पॉपकॉर्न हर रोज खाओ और डिब्बा बंद और रेडीमेड पैकेट में मिलने वाले महंगे पॉपकॉर्न को न करो। अगर आपको वजन कम करना है और डायबिटीज कंट्रोल करना है तो खुद भी मेहनत करना होगा और घर पर पॉपकॉर्न बनाकर खाना होगा तभी हमें असल फायदा होगा। गांव के लोग अभी भी सेहत के मामले में शहर के लोगों से आगे हैं, क्योंकि वहां लोग आज भी अनाज को रेत में भूनकर उसका नाश्ता करते हैं। घर में 5-10 रुपये में तैयार होने वाले पॉपकॉर्न का ही फायदा है, तो फिल्में खूब देखिए लेकिन वहां मिलने वाले पॉपकॉर्न और कोल्डड्रिंक से तौबा कीजिए।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 6000 से 6050 विशाल, 5950 से 6000 मसूर 6000,महाराष्ट्र सफेद 7400 से 7500, महाराष्ट्र लाल 7700 से 7900, कर्नाटक 8100 से 8300 निमाड़ी, डेट तुअर 6500 से 7500 मूंग बेस्ट गर्मी, 7100 से 7300 मूंग बेस्ट बोल्ड, 7500 से 7700 मीडियम बोल्ड, 7200 से 7600 मोगर 5500 से 6500 उड़द बोल्ड 8700 से 9000, उड़द गर्मी 8000 से 8400 ग्रेविटी, क्लीन 8600 से 8900 हल्का उड़द, 4000 से 6000 काबुली डॉलर, 7000 से 8400 काबुली रशियन, 5800 बिटकी 5200 से 5300, सरसों निमाड़ी 8000 से 8200, रायडा 6800 से 7000 करंज 5000, से 5200 सोयाबीन 6800 अलसी, 8500 से 9000 तिल्ली 8000 से, 9000 गेहूं मिल क्वालिटी 2500 से 2550 लोकवन 2750 से 2800, पूर्णा 2550 से 2600 मालवराज, 2600 से 2650 मक्का 1975 से 2000 चना दाल 7450 से 7550, मीडियम 7650 से 7750 रुपए।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 700 से 800 ज्योति राशन आलू 500 से 600 गुल्ला 300 से 400 रुपए प्रति क्विंटल बिका। प्याज नया 1200 से 1300 पुराना 800 से 1000 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 300 से 400 प्रति क्विंटल रहे। लहसुन एक्स्ट्रा सुपर 13500 से 14000 देशी 10000 से 11000 एवरेज 8000 बारीक 4000 रुपए क्विंटल।

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1950-2925, धनिया- 10300-12762, चना देशी- 5541-6301, डालर चना- 3850-7310, मटर- 2622-3430, मक्का- 2415, मूंग- 6810, सोयाबीन- 2200-8000, तिल्ली- 10491-11001, सरसो- 6886, मावा- 300 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्डर्ड- 1,42,700 रवा- 1,42,500 चांदी- टंच- 2,24,000 पाट- 2,23,000।

धर्म-आस्था

क्या भगवान श्रीकृष्ण के कारागार जन्म को 'आघात' कहना उचित है?

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम॥
(भगवद्गीता 4.7)
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।
धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे॥ (भगवद्गीता 4.8)

राजेश कुमावत
(दैनिक अवन्तिका)

भगवान श्रीकृष्ण का अवतार सनातन परंपरा में किसी व्यक्तिगत पीड़ा की कथा नहीं, बल्कि धर्म की पुनर्स्थापना, अधर्म के विनाश और सत्य की विजय का उद्घोष माना जाता है। यही कारण है कि जब उनके कारागार जन्म का उल्लेख किसी न्यायिक आदेश में सामाजिक पीड़ा अथवा आघात जैसे संदर्भों में सामने आया, तो देशभर में एक नया वैचारिक विमर्श प्रारंभ हो गया।

नासिक के चर्चित TCS धर्मांतरण प्रकरण में गर्भवती आरोपी निदा खान को जमानत देते समय अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की तरह किसी बच्चे को जेल में जन्म लेने की सामाजिक पीड़ा का सामना नहीं करना चाहिए। इसके बाद देश के लगभग सभी प्रमुख समाचार पत्रों और समाचार चैनलों ने इस टिप्पणी को अपने-अपने ढंग से प्रकाशित किया। किसी ने इसे आघात, किसी ने सामाजिक पीड़ा, तो किसी ने केवल श्रीकृष्ण की तरह जेल में जन्म के रूप में प्रस्तुत किया। शब्द अलग थे, लेकिन चर्चा का केंद्र एक ही था–भगवान श्रीकृष्ण का उल्लेख। यहाँ प्रश्न केवल जमानत का नहीं है। भारतीय कानून में जमानत का अर्थ दोषमुक्ति नहीं होता, बल्कि मुकदमे के दौरान कुछ परिस्थितियों में दी जाने वाली अस्थायी राहत होती है। वास्तविक प्रश्न उस भाषा और संदर्भ का है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग को न्यायिक आदेश का हिस्सा बनाया गया।

सनातन परंपरा में भगवान श्रीकृष्ण का कारागार में जन्म आघात या पराजय का प्रतीक नहीं, बल्कि अधर्म पर धर्म की विजय का दिव्य प्रारंभ माना जाता है। कंस की जेल में जन्म लेने वाले श्रीकृष्ण ने उसी अत्याचार का अंत किया और धर्म की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया। इसलिए करोड़ों हिंदुओं के लिए यह घटना पीड़ा नहीं, बल्कि आशा, साहस, धर्म और दिव्य संकल्प का प्रतीक है। यही कारण है कि न्यायालय की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा शुरू हुई। अनेक लोगों ने प्रश्न उठाया कि क्या श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग को आघात या सामाजिक पीड़ा जैसे शब्दों से जोड़ना सनातन परंपरा की मूल भावना के अनुरूप है? वहीं कुछ विधि विशेषज्ञों का मत है कि न्यायालय का उद्देश्य केवल अजन्मे बच्चे के हित और मानवीय दृष्टिकोण को रेखांकित करना था, न कि किसी धार्मिक मान्यता पर टिप्पणी करना।

लेकिन इस पूरे प्रकरण में एक और प्रश्न उभरकर सामने आता है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सामान्य आपराधिक प्रकरण नहीं था। आरोप ऐसे हैं जिनमें सनातन हिंदू धर्म के विरुद्ध कथित आपत्तिजनक टिप्पणियाँ, धर्मांतरण के प्रयास और महिला उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। ऐसे संवेदनशील मामले में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म प्रसंग का उल्लेख करना कितना आवश्यक था? क्या अदालत केवल संवैधानिक और मानवीय आधार पर जमानत का निर्णय नहीं दे सकती थी, जैसा कि अन्य अनेक मामलों में होता आया है?

यही प्रश्न आज सार्वजनिक विमर्श का केंद्र बन गया है। अनेक लोगों का कहना है कि जब विवाद का मूल विषय ही धर्म और धार्मिक संवेदनशीलता से जुड़ा था, तब न्यायिक आदेश में सनातन आस्था के सर्वोच्च आराध्य भगवान श्रीकृष्ण का उल्लेख करने से स्वाभाविक रूप से नई बहस छिड़नी ही थी। यदि वही कानूनी सिद्धांत बिना किसी धार्मिक उदाहरण के व्यक्त किया जाता, तो संभव है कि यह आदेश केवल एक न्यायिक निर्णय बनकर रह जाता। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण के संदर्भ ने इसे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक चर्चा का विषय बना दिया। ध्यान देने योग्य तथ्य यह भी है कि इसी टिप्पणी को देश के विभिन्न मीडिया संस्थानों ने अलग-अलग शब्दों में प्रस्तुत किया। किसी ने आघात शब्द को प्रमुखता दी, किसी ने सामाजिक पीड़ा को, तो किसी ने केवल जेल में जन्म का उल्लेख किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि एक ही न्यायिक टिप्पणी की अलग-अलग व्याख्या संभव है और शीर्षक का चयन समाज में उसकी धारणा को भी प्रभावित करता है।

उज्जैन किराना
अशोक कुमार भगवानदास
152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130, तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

17 जुलाई तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे पटवारी, माँगों को लेकर कर रहे आंदोलन

शुजालपुर। मध्य प्रदेश पटवारी संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर जिले के सभी पटवारी 17 जुलाई तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। यह निर्णय वर्षों से लंबित कैडर रिव्यू, पदोन्नति और समयमान वेतनमान जैसी मांगों के निराकरण की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन के तहत लिया गया है। जिला पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष हरिओम हनोतिया ने बताया कि पटवारी संवर्ग लंबे समय से अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित करता रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस और सकारात्मक निर्णय नहीं होने से संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि आंदोलन के पहले चरण में 15 से 17 जुलाई तक जिले के सभी पटवारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। संघ ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सामूहिक अवकाश के दौरान राजस्व संबंधी कार्यों और अन्य शासकीय सेवाओं में अस्थायी व्यवधान आ सकता है। इसके लिए संगठन ने नागरिकों से क्षमायाचना करते हुए सहयोग और समर्थन की अपेक्षा जताई है। जिलाध्यक्ष हनोतिया ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति या आमजन के खिलाफ नहीं, बल्कि लंबे समय से लंबित कर्मचारियों की मांगों के निराकरण के लिए विवश होकर किया जा रहा है।

रेलवे फाटक के पास कार सवार युवकों से मारपीट, कार में तोडफोड़, दो आरोपियों पर केस दर्ज

शुजालपुर। रेलवे फाटक के पास कार सवार तीन युवकों के साथ मारपीट और कार में तोडफोड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अकोदिया निवासी सुनील कुशवाह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने मित्र कपिल राठौर और विकास कुशवाह के साथ रविवार रात करीब 11.30 बजे कार क्रमांक एमपी 13 जेडजी 8977 से अकोदिया लौट रहा था। शुजालपुर मंडी स्थित रेलवे फाटक के पास कृष्णा पान की दुकान पर गुटखा-सिगरेट लेने के लिए रुके थे। इसी दौरान बड़ी मस्जिद के पास रहने वाला राज वाल्मीकि अपने साथी सन्नी के साथ वहां पहुंचा और कार की लाइट बंद करने को कहा। फरियादी के अनुसार लाइट बंद करने की बात कहने पर दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर राज वाल्मीकि ने डंडे से हमला कर दिया, जिससे सुनील की पीठ में चोट आई। फरियादी ने पुलिस को बताया कि बीच-बचाव करने आए विकास कुशवाह पर आरोपी सन्नी ने पान की दुकान से कांच की बरनी उठाकर फेंक दी, जिससे उसके पैर के पंजे में चोट लगी। वहीं राज वाल्मीकि ने डंडे से कार पर हमला कर पीछे का कांच तोड़ दिया। आरोप है कि कपिल राठौर के साथ भी थप्पड़ और मुक्कों से मारपीट की गई। घटना के दौरान पान दुकान संचालक कृष्णा ने बीच-बचाव किया। पुलिस ने फ रियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मारपीट, तोडफ ोड़, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेठड़ा-कालापीपल मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत

दो युवक गंभीर रूप से घायल, एक की हालत नाजुक

शुजालपुर। जेठड़ा-कालापीपल मार्ग पर ग्राम जामनेर स्थित शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के समीप मंगलवार शाम दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची 108 एम्बुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। राहगीरों ने तत्काल मानवता का परिचय देते हुए 108 एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार एक घायल का नाम सागर पिता नारायण सिंह राजपूत 25 वर्ष निवासी अकोदी का है एवं दूसरा घायल बबलू पिता रामसिंह अहिवार 37 वर्ष निवासी सतपिपलिया जिला सीहोर का है। बबलू की हालत चिंता जनक बताई जा रही है, बबलू जामनेर में आयोजित समाजिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आया था।

पीडब्ल्यूडी महकमे में हर्ष का माहौल, मुवेल और मौर्य बने नियमित कार्यपालन यंत्री

शाजापुर। राज्य शासन ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में पदोन्नति की बाट जोह रहे अधिकारियों को बड़ी सौगात दी है। भोपाल से जारी हुए आदेश के बाद जिले के पीडब्ल्यूडी महकमे में खुशी की लहर दौड़ गई है। शासन ने विभागीय पदोन्नति का रास्ता साफ करते हुए जिले में पदस्थ दो अधिकारियों को प्रमोशन का तोहफा देते हुए नियमित कार्यपालन यंत्री के पद पर प्रमोट किया है। मध्य प्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा 13 जुलाई 2026 को पदोन्नति की विस्तृत सूची जारी की गई। इस आदेश के तहत शाजापुर पीडब्ल्यूडी कार्यालय में पदस्थ प्रभारी कार्यपालन यंत्री हर्षवर्धन सिंह मुवेल को कार्यपालन यंत्री के पद पर नियमित पदोन्नति प्रदान की गई है। मुवेल लंबे समय से प्रभारी के तौर पर जिले में अपनी सेवाएं दे रहे थे और अब उन्हें शासन ने नियमित पद की अहम जिम्मेदारी सौंप दी है। इसी आदेश के क्रम में, जिले के शुजालपुर उपसंभाग में अनुविभागीय अधिकारी के पद पर उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे शुभम मौर्य को भी पदोन्नत किया गया है। मौर्य अब कार्यपालन यंत्री के पद पर प्रमोट हो गए हैं। उनके कार्यकाल में शुजालपुर क्षेत्र के निर्माण कार्यों में काफी गति देखी गई थी, जिसका ईनाम उन्हें इस पदोन्नति के रूप में मिला है। जिले के इन दोनों अफसरों को नियमित कार्यपालन यंत्री बनाए जाने की खबर जैसे ही स्थानीय कार्यालय और जिले में पहुंची, विभागीय अमले में उत्साह छा गया।

'मर जाऊंगी, पर पति का साथ नहीं छोड़ूंगी': दहेज प्रताड़ित होने पर भी पति संग रहना चाहती विवाहिता

07 लाख रुपये माँग रहा ससुराल पक्ष

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

मंगलवार को जनसुनवाई में एक विवाहिता ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना, मारपीट और घर से निकालने के आरोप लगाए। हाटपीपल्या तहसील के भोपापुरा निवासी टीना का कहना है कि वह इन सबके बावजूद अपने पति के साथ ही रहना चाहती है।

टीना ने आवेदन में बताया कि शादी के कुछ समय बाद से ही उससे दहेज की मांग की जाने लगी। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। उसने पहले भी थाना हाटपीपल्या में दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत न्यायालय में भी प्रकरण दायर किया था। टीना ने बताया कि समाज के लोगों की मौजूदगी में उसे साथ रखने का लिखित आश्वासन दिया गया था। लेकिन जब वह अपने परिजनों के साथ ससुराल पहुंची तो उसे अपनाने से इनकार कर दिया गया। उसका आरोप है कि ससुराल वालों ने कहा कि 7 लाख रुपए लेकर आओ, तभी घर में रखेंगे।

एसपी से कार्रवाई की मांग

टीना ने पुलिस अधीक्षक से कहा कि वह अपने पति के साथ रहकर वैवाहिक जीवन बिताना चाहती है। उसने मामले में उचित कार्रवाई करने और अपने वैवाहिक अधिकार दिलाने की मांग की है।

समझौते के बाद फिर शुरू हुई दहेज की मांग

विवाहिता के अनुसार, ससुराल पक्ष ने भविष्य में प्रताड़ित नहीं करने का भरोसा देकर समझौता किया था। लेकिन कुछ दिन बाद फिर से दहेज की मांग शुरू हो गई। पीड़िता का आरोप है कि उससे 7 लाख रुपए मांगे गए। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। उसका कहना है कि मारपीट में उसका सिर फोड़ दिया गया। इसका वीडियो भी उसके पास है।

एएसपी ट्रैफिक एच. बाथम ने बताया कि मामले में संबंधित थाने को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पांच दिन के भीतर लाखों के पेड़ काट ले गए बदमाश

हाईवे किनारे खेत से पांच चंदन के पेड़ चोरी, सुरक्षा की माँग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

देवास जिले में चंदन तस्करों की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है। हाईवे किनारे स्थित एक खेत से बीते पांच दिनों के भीतर अज्ञात बदमाश पांच चंदन के पेड़ काटकर ले गए। लाखों रुपये कीमत के पेड़ों की चोरी के बाद किसान ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

पीड़ित किसान विजय सिंह ने बताया कि उनका खेत हाईवे से लगा हुआ है। पिछले पांच दिनों के दौरान अज्ञात तस्कर रात में खेत में घुसे और एक-एक कर पांच चंदन के पेड़ काटकर फरार हो गए। सुबह खेत पर पहुंचने पर उन्हें चोरी का पता चला।

विजय सिंह का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी चंदन के पेड़ चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उनका आरोप है कि प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से चंदन तस्करों के हौसले बुलंद हैं और वे लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

बचे हुए पेड़ों की सुरक्षा की चिंता

किसान ने बताया कि उनके खेत में अभी भी कई चंदन के पेड़ लगे हैं। उन्हें आशंका है कि तस्कर दोबारा भी वारदात कर सकते हैं।

लाखों की लकड़ी पर हाथ साफ

किसान के मुताबिक चोरी हुए चंदन के पेड़ों की कीमत लाखों रुपये है। उन्होंने पुलिस थाने में आवेदन देकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है और जल्द कार्रवाई की मांग की है।

बिजली पोल पर तार जोड़ते समय करंट से किसान की मौत

आगर मालवा। जिले के पूरा साहब नगर में बुधवार सुबह घर की बिजली सप्लाई चालू करने गए 45 वर्षीय किसान दयाराम की करंट लगने से मौत हो गई। करंट की चपेट में आने के बाद परिजन और ग्रामीण उन्हें तुरंत जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पूरा साहब नगर के रहने वाले दयाराम पिता बालचंद (45) के घर की बिजली बंद थी। बुधवार सुबह करीब 11 बजे, दयाराम घर की लाइट चालू करने के लिए पास के ही एक बिजली के खंभे (पोल) पर तार जोड़ने गए थे। तार जोड़ते समय वे अचानक चालू लाइन के करंट की चपेट में आ गए। करंट का झटका इतना तेज था कि वे सीधे नीचे आ गिरे और गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद ग्रामीण दयाराम को लेकर जिला अस्पताल भागे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और पंचनामा तैयार किया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक तौर पर यह करंट लगने से हुई दुर्घटना का मामला है और जांच की जा रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बिजली की खराबी होने पर खुद सुधारने के बजाय विभाग के कर्मचारियों की मदद लें।

जनसुनवाई में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 147 ने लगाई न्याय की गुहार

शाजापुर। अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों के निराकरण की उम्मीद लेकर जिलेभर से फरियादी कलेक्ट्रेट पहुंचे। मुख्यमंत्री जनसुनवाई में मंगलवार सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था। इस दौरान कुल 147 लोगों ने अधिकारियों के सामने अपना दुखड़ा सुनाया और न्याय की गुहार लगाई। जिले के दूर-दराज गांवों और शहरी क्षेत्रों से आए इन लोगों की समस्याएं मुख्य रूप से जिला पंचायत सीईओ मनीषा वास्कले ने सुनीं। उन्होंने एक-एक कर फरियादियों के आवेदन लिए, उनकी पीड़ा जानी और मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के सख्त निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट में अपनी बारी का इंतजार करते लोगों की खासी भीड़ नजर आई। आवेदनों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने और लोगों को भटकना न पड़े, इसके लिए जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर आलोक वर्मा सहित तमाम विभागों के प्रमुख अधिकारी भी मौजूद रहे।

सोयाबीन की बोरी चोरी करते सीसीटीवी में दिखे बदमाश

शाजापुर। कृषि उपज मंडी से सोयाबीन की बोरी चोरी करते हुए बदमाश सीसीटीवी में नजर आए। जानकारी के अनुसार रविवार को मंडी से सोयाबीन की एक बोरी चोरी हुई थी। इसके बाद व्यापारियों ने सोमवार को मंडी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। फुटेज में दो संदिग्ध युवक मंडी से सोयाबीन की बोरी चोरी करते हुए स्पष्ट दिखाई दिए। इसके आधार पर मंडी प्रबंधन ने संदिग्धों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना के बाद कृषि उपज मंडी के व्यापारियों में भी नाराजगी देखने को मिली। व्यापारियों ने मंगलवार दोपहर 2 बजे मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपकर चोरी की घटना की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी करने और मंडी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

निर्माणाधीन पेट्रोल पंप के चेंबर में गिरे नंदी महाराज को गौरक्षा सेना ने बाहर निकाला

शाजापुर। पंप के चैंबर में गिरे नंदी का गौरक्षा सेना ने रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को ग्राम सांपखेड़ा के आगे बेरछा रोड स्थित एक निर्माणाधीन पेट्रोल पंप के चेंबर में नंदी के गिर जाने की सूचना गौरक्षा सेना को मिली। सूचना मिलने पर संस्थापक धर्मेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में टीम तत्काल मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर की सहायता से सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाया गया और नंदी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू अभियान में नगर महासचिव हर्षित परमार, सांपखेड़ा इकाई के सदस्य सुनील गुर्जर, आदित्य पांडे, विक्रम सोंती, माखन गुर्जर, होकम गुर्जर, अर्जुन गुर्जर एवं रोहित गुर्जर ने सक्रिय भूमिका निभाई।

चाची-भतीजे के अश्लील फोटो फेसबुक पर अपलोड

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शाजापुर

मृत जेठ की आईडी से अज्ञात आरोपी ने चाची और भतीजे के अश्लील फोटो फेसबुक पर अपलोड करते दिए। शाजापुर की रहने वाली 35 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि 12 जुलाई की रात करीब 9 से 9.30 बजे के बीच उनके मृत जेठ की फेसबुक आईडी से उनकी और उनके नाबालिग भतीजे की फोटो अपलोड कर आपत्तिजनक टिप्पणी के साथ पोस्ट की गई थी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

बारिश की लंबी खींच से सोयाबीन पर संकट

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दी जरूरी सलाह

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

जिले में खरीफ फसलों की बुवाई के बाद बारिश की लंबी खींच से सोयाबीन की फसल में नमी की कमी महसूस होने लगी है। इसे देखते हुए कृषि विज्ञान केंद्र केवीके के वैज्ञानिकों ने खेतों का भ्रमण कर किसानों को फसल बचाने के लिए आवश्यक सलाह जारी की है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस एस धाकड़, डॉ. गायत्री रावल, डॉ. डी के तिवारी एवं डॉ. मुकेश सिंह ने बताया कि जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है वे मिनी स्प्रिंकलर से हल्की सिंचाई करें, ताकि फसल में नमी बनी रहे। साथ ही वर्षा जल संरक्षण के लिए कुएं एवं नलकूप रिचार्ज तथा खेतों में भू-जल संवर्धन संरचनाएं विकसित करने की सलाह दी गई है।

वैज्ञानिकों ने कहा कि 15 दिन से अधिक पुरानी सोयाबीन फ सल में ट्रैक्टर, बैल या हस्तचालित डोरा चलाकर नमी संरक्षित की जा सकती है। वर्तमान मौसम में तना मक्खी कीट का प्रकोप बढ़ने की आशंका है, इसलिए किसान नियमित रूप से फ सल की निगरानी करें और आवश्यकता होने पर अनुशंसित मात्रा में इमिडाक्लोप्रिड या थायोमेथोक्साम का छिड़काव करें। उन्होंने किसानों को खरपतवारनाशी और कीटनाशी दवाओं का एक साथ छिड़काव नहीं करने की सलाह दी है। खरपतवारनाशी का प्रयोग पर्याप्त नमी होने पर ही करें तथा अलग-अलग प्रकार के नोजल का उपयोग करें।

दवा के छिड़काव में बरतें सावधानी

कृषि वैज्ञानिकों ने सलाह दी है कि दवा का छिड़काव करते समय धूम्रपान, तंबाकू या अन्य खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। दवा हमेशा पक्के बिल के साथ खरीदें, स्प्रेयर को उपयोग के बाद अच्छी तरह साफ करें तथा हवा की दिशा में ही छिड़काव करें। साथ ही दस्ताने, चश्मा और नाक-मुंह पर कपड़ा पहनकर ही दवा का छिड़काव करें, ताकि स्वास्थ्य संबंधी जोखिम से बचा जा सके।

पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान शुरू

शाजापुर। जिले के पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और दुग्ध उत्पादन में क्रांति लाने के लिए पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने एक खास पहल शुरू की है। अब अधिकारियों और पशु चिकित्सकों की टीम दफ्तरों से निकलकर सीधे पशुपालकों के दरवाजे तक पहुंच रही है। वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का आगाज किया गया है। यह अभियान 13 से 18 जुलाई तक चलेगा।

इस अभियान के तहत मुख्य रूप से उन छोटे पशुपालकों को लक्षित किया गया है, जिनके पास तीन से चार गाय या भैंस हैं। विभाग के अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी और मैत्री गौसेवक गांव-गांव और घर-घर जाकर इन पशुपालकों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। उन्हें पारंपरिक तरीकों की जगह वैज्ञानिक पशुपालन अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि उनकी आय में सीधा इजाफा हो सके। डोर-टू-डोर संपर्क के दौरान प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा पशुपालकों को कई महत्वपूर्ण तकनीकी सलाह दी जा रही है। इनमें मुख्य रूप से पशुओं का नस्ल सुधार और संतुलित पोषण, बीमारियों से बचाव के लिए पशु स्वास्थ्य प्रबंधन और समय पर टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान की आधुनिक तकनीकें, सेक्स-सॉर्टेड सीमेन के उपयोग के तरीके और भविष्य में इससे होने वाले बड़े आर्थिक लाभ शामिल हैं। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपसंचालक डॉ. प्रशांत महादिक ने बताया कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का यह तीसरा चरण है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने भूखण्डस्वामी श्रीमती प्रियंका सोलंकी पति श्री शैलेन्द्रसिंह सोलंकी निवासी ग्राम देरखेडी तहसील व जिला उज्जैन के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का भूखण्ड क्रमांक 14 का पूर्वी भाग स्थित "खण्डेलवाल नगर सेक्टर-बी" सेंटपाल स्कूल रोड़, एम.आर. 5 रिंग रोड आगर रोड उज्जैन में है। जिसका कुल क्षेत्रफल 94-50 वर्गमीटर है, जिसकी चर्तुःसीमा- पूर्व की ओर : नाला, पश्चिम की ओर -शेष भाग मकान क्रमांक 14, उत्तर की ओर :-कॉलोनी का रोड, दक्षिण की ओर भूखण्ड क्रमांक 10 व पैमाईश चौडाई पूर्व से पश्चिम बतरफ उत्तर 5-90 मीटर व बतरफ दक्षिण 6-70 मीटर। लंबाई उत्तर से दक्षिण बतरफ पूर्व 15-00 मीटर व बतरफ पश्चिम 15-00 मीटर है। उक्त संपत्ति को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का सौदा कर लिया है तथा आंशिक बयाना राशि अदा कर दी है शेष राशि अदा कर विक्रय पत्र कराया जाना बाकी है।

अतः उक्त वर्णित संपत्ति किसी भी बैंक, पेढी, निगम, वित्तीय संस्था आदि का कोई ऋण, भार, बकाया हो, उक्त वर्णित संपत्ति में किसी अन्य का कोई हक, हित, हिस्सा व सुखाधिकार हो या इस विक्रय बाबत किसी को कोई आपत्ति आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना से 7 (सात) दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय लैखी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे ताकि उसका उचित निराकरण किया जा सके अन्यथा मियाद गुजरने पश्चात मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त वर्णित संपत्ति के विक्रय पत्र निष्पादित व पंजीयन करवा लेवेगे व किसी की कोई आपत्ति आदि मान्य नहीं होगी। सो सूचित हो। इति दिनांक 15-07-2026 स्थान उज्जैन

शुभम नगरिया एडव्होकेट [दुकान नंबर -सी 2/12 महाकाल वाणिज्यक केन्द्र नानाखेडा उज्जैन] मोबाईल नंबर-97706-66658

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि अल्लानुर खान पिता कॉदर खॉन जाति पिंजारा व दिनेश पिता बालचन्द जी पाटीदार कृषक श्यामपुरा तहसील सुसनेर जिला आगर मालवा म.प्र. की सहस्वामीत्व, मालिक व कब्जे की भुमि जो की ग्राम श्यामपुरा तहसील सुसनेर जिला आगर मालवा में सर्वे न. 66 स्कबा 1.700, कुल किता 01 कुल रकबा 1.700 हैक्टेयर भुमि राजस्व रिकार्ड में दर्ज है।

मेरे पक्षकार ने उक्त भुमि क्रय करने का सौदा कर बयाना की राशी भी विक्रेता को अदा कर दी गई है उक्त भुमि जो मेरे पक्षकार द्वारा क्रय कि जा रही है किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्वहित अधिपत्य, बंधक, जमानत, या अन्य प्रकार का भार है या किसी के पास अंतरण की हुई हो या किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म बैंक या अन्य किसी वित्तीय संस्था का कोई स्वत्व आपत्ती हो तो वह इस जाहिर सुचना प्रकाशन के ७ दिवस के अंदर मय आपप्ति प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में आकर मिले उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त अवधि के पश्चात किसी की कोई आपत्ति मान्य नही की जावेगी व उक्त भुमि का विक्रय पत्र विधिवत पंजीजन करवा लिया जावेगा सो सुचित हो । इति दिनाक :-15/07/2026

केशव शास्त्री अधिवक्ता डाक बंगला रोड सुसनेर

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री गोपाल पिता भेरूलाल जी व नागेश्वर पिता भेरूलाल जी जाति सुतार निवासीगण व कृषकगण ग्राम बरडिया तहसील बडनगर जिला उज्जैन मे विक्रेता श्री गोपाल पिता भेरूलाल जी के स्वामित्व एंव आधिपत्य भूमि सर्वे नं 323/1 रकबा 0.40 हे. सर्वे नम्बर 325 रकबा 0.26 है. सर्वे नम्बर 326/1/1 रकबा 0.04 हे. कुल किता 3 कुल रकबा 0. 70 हे. व नागेश्वर पिता भेरूलाल जी के स्वामित्व एवं आधिपत्य का भुमि सर्वे नम्बर 323/2 रकबा 0.41 हे. सर्वे नम्बर 326/1/2 रकबा 0.30 हे. कुल किता 02 कुल रकबा 0.71 हे इस प्रकार कुल रकबा 1.41 हे. भूमि ग्राम बरडिया तहसील बडनगर जिला उज्जैन म.प्र. मे स्थित है उक्त भूमि को विक्रय करने का सोदा मेरे पक्षकार के द्वारा दिनांक 13/07/2026 को तय कर बयाना राशी विक्रेता पक्ष को अदा कर दि है व अपने पक्ष मे एक सोदा चिटठी का निस्पादन भी अपने पक्ष में करवा लिया गया है। तथा उक्त भुमि पर किसी भी व्यक्ति संस्था बैंक का कोई ऋण भार बोझ हक कर्जा या लेन देन किसी प्रकार का स्वत्व संबधी या न्यायालय में किसी प्रकार का कोई प्रकरण विचाराधीन हो या आपत्ति हो तो आज सुचना दिनांक से 7 दिवस के भीतर लिखीत प्रमाण दस्तावेज लेकर मेरे कार्यालय मे प्रस्तुत करे ताकि आपत्ति का निराकरण किया जा सके मियाद गुजर जाने के पश्चात किसी प्रकार कि कोई आपत्ति या दावा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा व मेरे पक्षकार के मुकाबले आपत्ति अवेध तथा शुन्यवत मानी जावेगी। दिनांक 15/07/2026

प्रेमसिहं चौहान सर्विस प्रोवाइडर कार्यालय-कोर्ट परिसर बडनगर जिला उज्जैन मो.- 8959194444, 6260482693

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कृषक (1) पार्वतीबाई पति मेहरबानसिंह जाति सौंधिया राजपूत निवासी कृषक ग्राम लसुल्डिया हमीर तहसील माकड़ोन जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश), (2) गोपालसिंह पिता मेहरबानसिंह जाति सौंधिया राजपूत निवासी कृषक ग्राम लसुल्डिया हमीर तहसील माकड़ोन जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश), (3) सुल्तानसिंह पिता मेहरबानसिंह जाति सौंधिया राजपूत निवासी कृषक ग्राम लसुल्डिया हमीर तहसील माकड़ोन जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) व (4) राजेन्द्रसिंह पिता मेहरबानसिंह जाति सौंधिया राजपूत निवासी कृषक ग्राम लसुल्डिया हमीर तहसील माकड़ोन जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) के स्वामित्व एवं आधिपत्य एवं हक्क एवं हिस्से की कृषि भूमि स्थित ग्राम लसुल्डिया हमीर (रोड़ पर) पटवारी हल्का नं. 00021 राजस्व निरिक्षक वृत्त 01 रूपाखेड़ी तहसील माकड़ोन जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) में स्थित कृषि भूमि सर्वे नं. 204 रकबा रकबा 1.24 हेक्टेयर कृषि भूमि, सर्वे नं. 205 रकबा 1.07 हेक्टेयर कृषि भूमि, इस प्रकार कुल सर्वे नं. 02 कुल रकबा 2.31 हेक्टेयर अक्षरी (दो हेक्टेयर इकत्तीस आरे) कृषि भूमि, तथा कृषक बहादुरसिंह पिता मानसिंह जाति सौंधिया राजपूत निवासी कृषक ग्राम लसुल्डिया हमीर तहसील माकड़ोन जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) के स्वामित्व एवं आधिपत्य एवं हक्क एवं हिस्से की कृषि भूमि स्थित ग्राम लसुल्डिया हमीर (रोड़ पर) पटवारी हल्का नं. 00021 राजस्व निरिक्षक वृत्त 01 रूपाखेड़ी तहसील माकड़ोन जिला उज्जैन (मध्यप्रदेश) में स्थित कृषि भूमि सर्वे नं. 206 रकबा रकबा 0.78 हेक्टेयर कृषि भूमि, इस प्रकार कुल सर्वे नं. 01 कुल रकबा 0.78 हेक्टेयर अक्षरी (इठौत्तर आरे) कृषि भूमि स्थित है, जो शाहरुख पटेल पिता तेज मोहम्मद पटेल जाति मुसलमान आयु 27 वर्ष निवासी आजाद नगर, रतलाम जिला रतलाम (मध्यप्रदेश) ने अनुबंध पत्र के माध्यम से विक्रय कर विक्रय अनुबंध पत्र मेरे पक्षकार महेन्द्र पटेल (इंदौर) व अनिल चौधरी (देवास) के पक्ष मे संपादित किया जा चुका है तथा वर्तमान मे उक्त भूमि पार्वतीबाई, गोपालसिंह, सुल्तानसिंह, राजेंद्रसिंह तथा बहादुरसिंह के नाम से राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। उपरोक्त भूमि को विक्रय करने का करार मेरे पक्षकार से विक्रय अनुबंध पत्र गवाहो के समक्ष संपादित किया है, निकट भविष्य मे उपरोक्त वर्णित भूमि का विक्रय पत्र मेरे पक्षकार मूल भूमि स्वामी से अपने हित मे संपादित करवाने जा रहे है। उपरोक्त वर्णित कृषि भूमि के संबंध में किसी प्रकार का ऋण भार बोझ किसी व्यक्ति, वित्तीय संस्था अथवा शासन का उक्त भूमि पर बकाया हो तथा किसी प्रकार की हक्क स्वत, कब्जे संबन्धित किसी प्रकार की कोई भी आपत्ति हो तो इस जाहीर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि में मेरे कार्यालय मे कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मय प्रमाण के अपनी आपत्ति दर्ज करावे। यह सूचित हो।

एडव्होकेट नाहिद हुसैन अंसारी कार्यालय :- 29/9 खांकरीपूरा, तराना, जिला उज्जैन (म.प्र.) मोबा. 83199-66182

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सांदीपनि विद्यालय में वृहद पौधारोपण

सुसनेर। मध्य प्रदेश शासन के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत शासकीय सांदीपनि विद्यालय में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र लोहार, माध्यमिक विंग के प्रधानाध्यापक संतोष जादमे, प्राथमिक विंग के प्रधानाध्यापक संतोष कुमार जादमे, शिक्षक अभिषेक पाण्डे, मुकेश खटीक सहित समस्त शिक्षकगण, विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।इस अवसर पर सभी ने मिलकर विद्यालय परिसर में नीम, पीपल, आम, जामुन सहित लगभग 50 छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। वृक्ष पर्यावरण को संतुलित रखने, शुद्ध वायु प्रदान करने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विद्यार्थियों से आह्वान किया गया कि वे केवल पौधे लगाएँ ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करें। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा लगाए गए पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

नगर परिषद ने परखा रंगीन फव्वारा, अंतिम दौर में पहुंचा सौंदर्यीकरण कार्य

सुसनेर। नगर परिषद द्वारा पुराना बस स्टैंड स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक के सौंदर्यीकरण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। सोमवार शाम चौक पर लगाए गए आकर्षक रंगीन फव्वारे का सफल ट्रायल किया गया। परीक्षण के दौरान फव्वारे से निकलती पानी की धाराएं और रंग-बिरंगी रोशनी ने चौक की सुंदरता में चार चांद लगा दिए। फव्वारे के ट्रायल के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने कार्य का निरीक्षण कर संबंधित ठेकेदार को शेष कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि आम नागरिकों को जल्द ही विकसित चौक की सौगात मिल सके। निरीक्षण के दौरान पार्षद प्रतिनिधि युगल किशोर परमार, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, मंडल महामंत्री कालूसिंह, कमल गर्ग सहित नगर परिषद के कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने फव्वारे की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया और आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नगर परिषद द्वारा चौक पर आकर्षक फव्वारे के साथ सौंदर्यीकरण, हरियाली, बैठने की व्यवस्था तथा अन्य सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। कार्य पूर्ण होने के बाद पुराना बस स्टैंड स्थित दीनदयाल उपाध्याय चौक शहर का नया आकर्षण बनेगा और स्थानीय नागरिकों के साथ बाहर से आने वाले लोगों के लिए भी यह स्थल विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा

नगर में 'दस्तक अभियान' का शुभारंभ

खाचरौद। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर 14 जुलाई से 31 अगस्त तक संचालित 'दस्तक अभियान' का शुभारंभ आज खाचरोद नगरीय क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 7 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र से किया गया।इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम घर-घर जाकर लगभग 4 हजार बच्चों (0 से 5 वर्ष) का स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्क्रीनिंग करेगी। साथ ही बच्चों के पोषण स्तर का आकलन कर उन्हें विटामिन-ए, आयरन सिरप एवं आवश्यक टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।स्वस्थ बचपन, कुपोषण मुक्त मध्यप्रदेश और सुरक्षित भविष्य के संकल्प के साथ यह अभियान बच्चों के समुचित स्वास्थ्य एवं पोषण को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

श्री गोदड हनुमान मंदिर पर चौदस अमावस्या को अखंड रामायण पाठ के साथ हवन पूजन

बडौद। नगर के श्री गोदर मंदिर हनुमान जी मंदिर हर माह की चौदस और अमावस्या को 24 घंटा की अखंड रामायण पाठ किया जाता है। जिसमें भक्तगण अखंड रामायण पाठ में भाग लेकर हवन पूजन किया जाता है और साथ में भंडारे का आयोजन पिछले कई वर्षों से मंदिर से जुड़े भक्तगण करते चले आ रहे है! महंत विजय दास बैरागी ने बताया कि भक्तों के द्वारा अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर 24 घंटे के अखंड रामायण पाठ का आयोजन करवाया जाता है और साथ में भंडारे का भी आयोजन होता है! जो भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है।

एसडीएम हिंगे का डिप्टी कलेक्टर बनने पर पत्रकारों ने किया स्वागत

महिदपुर रोड। अजय हिंगे एस डी एम महिदपुर का अपर कलेक्टर पद पर पदोन्नत होने पर आंचलिक पत्रकार संघ की और से पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान अंजनी पत्रकार संख्या जिला उपाध्यक्ष विशाल शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष डॉ रघुवीर सिंह जी राजपूत मनोज पोरवाल निलेश गरासिया अंकित जायसवाल लोके श माली और हेमंत राजपूत शाहिद सहित बड़ी संख्या में अन्य पत्रकार साथी मौजूद रहे।

सेवा सप्ताह के अंतर्गत देवनारायण मंदिर में विहिप-बजरंग दल ने लगाया

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 250 मरीजों को मिला स्वास्थ्य परामर्श, विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दी सेवाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत मंगलवार को मालीपुरा स्थित देवनारायण मंदिर परिसर में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर में करीब 250 मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया और विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया।

शिविर का शुभारंभ सुबह करीब 11 बजे हुआ। इस दौरान मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. यश रूपारिया एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रखर यादव ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी। नर्सिंग स्टाफ ने भी पूरे शिविर के दौरान मरीजों की जांच एवं व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मरीजों का ब्लड प्रेशर (बीपी) एवं शुगर (ब्लड ग्लूकोज) की निःशुल्क जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार उपचार संबंधी परामर्श भी दिया गया।

चिकित्सा शिविर में बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग, युवा एवं ग्रामीणजन पहुंचे। स्वास्थ्य जांच के बाद चिकित्सकों ने लोगों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी।

शिविर के सफल आयोजन में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के , प्रखंड एवं खंड स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे और व्यवस्था संभालने में योगदान दिया। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविर ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। आयोजन के अंत में सभी सहयोगियों एवं चिकित्सकों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के विहीप जिला उपाध्यक्ष भरत भावसार बजरंग जिला संयोजक अनिल कावल प्रखण्ड उपाध्यक्ष शिवम शर्मा, प्रखण्ड सह मंत्री मनीष राठौर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विहिप-बजरंग दल सेवा कार्यों में अग्रणीय

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों ने बताया कि सेवा सप्ताह के माध्यम से संगठन केवल धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा के विभिन्न कार्यों के माध्यम से जनकल्याण का संदेश भी दे रहा है। इसी उद्देश्य से स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, मंदिरों की साफ-सफाई तथा चिकित्सा शिविर जैसे कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

सेंट जोसेफ कॉन्वेंट विद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

महिदपुर। छात्रों में नेतृत्व क्षमता एवं उत्तरदायित्व भावना जागृत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी संत जोसेफ कॉन्वेंट विद्यालय महिदपुर में दिनांक 13 जुलाई 2025 को गरिमापूर्ण शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में माडल विद्यालय के प्राचार्य रामेश्वर सोनी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था प्रबंधक फादर पोल पारेकाटिल, उप प्रबंधक फादर सजी, प्राचार्य सोबी थॉमस, उप प्राचार्य अनिश थॉमस एवं नवनियुक्त हेड बॉय यजत पंवार, हेड गर्ल कृति जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। यलो हाउस की ओर से दिव्या पालीवाल मेडम ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। विद्यालय प्राचार्य सोबी थॉमस सर ने अपने स्वागत भाषण के माध्यम से छात्रों को नेतृत्व अनुशासन और सेवा भावना के महत्व को समझाया । इसके पश्चात मुख्य अतिथि रामेश्वर सोनी सर ने अपने उद्बोधन द्वारा नेतृत्व क्षमता एवं दायित्व बोध की उपयोगिता बताते हुवे सभी नव नियुक्त छात्र - छात्रा को शुभकामनाएँ प्रेषित की। विद्यालय प्रबंधक फादर पोल पारेकाटिल ने उद्बोधन द्वारा कर्तव्य के महत्व को समझाते हुए सभी छात्रो को शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर गूंजा विवेकानंद का संदेश,

एबीवीपी ने निकाली विवेकानंद ध्येय पथ यात्रा छात्रों को किया राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) महिदपुर द्वारा सोमवार को स्वामी विवेकानंद ध्येय पथ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा का शुभारंभ सुबह 9 बजे राजपूत बोर्डिंग धर्मशाला से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक एवं नगरवासी शामिल हुए।

यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर निकली। इस दौरान कार्यकताओं ने स्वामी विवेकानंद के विचारों, राष्ट्रभक्ति, युवा शक्ति और चरित्र निर्माण के संदेशों का प्रचार-प्रसार किया। यात्रा का समापन पुनः राजपूत बोर्डिंग धर्मशाला में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रताप सिंह आर्य रहे। उन्होंने युवाओं को राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने और स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम को एबीवीपी मालवा प्रांत की प्रांत सहमंत्री अंजलि लखेरा ने संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है और युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित उज्जैन विभाग संयोजक आदर्श चौधरी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर विद्यार्थी समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

एबीवीपी पदाधिकारियों ने बताया कि ध्येय पथ यात्रा का उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के अमर संदेश उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको को जन-जन तक पहुंचाना तथा विद्यार्थियों में राष्ट्रसेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और चरित्र निर्माण की भावना को मजबूत करना है।

इस अवसर पर जिला विस्तारक गोपाल योगी, जिला संयोजक राजदीप सिंह, महिदपुर भाग संयोजक आदित्य राज मेहता, नगर अध्यक्ष प्रेम सिंह, नगर मंत्री कुलदीप आंजना सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आज राजगढ़ में आयोजित होगी जिला स्तरीय स्टार्टअप कार्यशाला

ब्यावरा-राजगढ़। भारत सरकार की स्टार्टअप इंडिया (डीपीआईआईटी) पहल के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र राजगढ़ द्वारा 16 जुलाई 2026 गुरुवार को प्रातः 10 बजे होटल संस्कृति राजगढ़ में एक दिवसीय जिला स्तरीय स्टार्टअप कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य जिले के युवाओं, स्थानीय उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों, नवाचार के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिभाओं तथा भावी उद्यमियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार आधारित उद्यमिता एवं स्वरोजगार के नवीन अवसरों से परिचित कराना है। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को सफल स्टार्टअप स्थापित करने की प्रक्रिया, शासन की विभिन्न योजनाओं तथा व्यवसाय विस्तार के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा प्रदान की जाएगी। कार्यशाला में विशेषज्ञों द्वारा स्टार्टअप इकोसिस्टम, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस, केंद्र एवं राज्य शासन की स्टार्टअप प्रोत्साहन योजनाओं, एमएसएमई प्रोत्साहन, इनोवेशन एवं इन्क्यूबेशन, फंडिंग के विभिन्न स्रोतों, निवेश के अवसरों तथा व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक ले जाने संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, राजगढ़ ने जिले के इच्छुक युवा उद्यमियों, स्टार्टअप संस्थापकों, उद्योगपतियों, विद्यार्थियों एवं नवाचार के क्षेत्र में कार्यरत सभी प्रतिभागियों से इस कार्यशाला में सहभागिता करने का अनुरोध किया है ताकि वे निर्धारित गूगल फॉर्म के माध्यम से पूर्व पंजीयन कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

गांव-गांव पहुंच रहा कौशल का पहिया, बदल रहा विद्यार्थियों के सीखने का तरीका

महिदपुर। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर जब पूरे देश में युवाओं को कौशल विकास से जोड़ने की बात हो रही है, तब महिदपुर व नागदा क्षेत्र के कई ग्रामीण शासकीय विद्यालयों में यह प्रयास पहले से ही धरातल पर दिखाई दे रहा है। मेरा गाँव मेरी दुनिया संस्था द्वारा संचालित टेक ट्रक (मोबाइल स्किल लैब) नियमित रूप से गांव-गांव पहुंचकर शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा और व्यावहारिक कौशल से जोड़ रहा है। इस अनूठी पहल के तहत विद्यार्थी केवल किताबों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि स्वयं वायरिंग करना, एलईडी बल्ब बनाना एवं उसकी मरम्मत करना, सोल्डरिंग, विद्युत सुरक्षा, सोलर एनर्जी की मूलभूत जानकारी तथा विभिन्न तकनीकी गतिविधियों को अपने हाथों से सीखते हैं। यही अनुभव उन्हें आत्मविश्वास के साथ सीखने और नई तकनीकों को समझने के लिए प्रेरित करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में जहां तकनीकी संसाधनों तक पहुंच सीमित होती है, वहां यह मोबाइल स्किल लैब विद्यालयों तक आधुनिक कौशल शिक्षा पहुंचाने का कार्य कर रही है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों में समस्या समाधान, टीमवर्क, नवाचार और आत्मनिर्भर बनने की सोच भी विकसित हो रही है। कई विद्यार्थियों ने पहली बार इलेक्ट्रिकल टूल्स और तकनीकी उपकरणों का उपयोग इसी पहल के माध्यम से किया। विश्व युवा कौशल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भविष्य केवल डिग्री से नहीं, बल्कि कौशल से भी बनता है। महिदपुर ओर नागदा के गांवों में चल रही यह पहल इस बात का उदाहरण है कि यदि सीखने का अवसर बच्चों तक पहुंचाया जाए, तो ग्रामीण प्रतिभाएं भी आत्मविश्वास के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकती हैं।

पेट दर्द के इलाज से मरीज में जान से खिलवाड़

ब्यावरा-राजगढ़। मुन्ना भाई एमबीबीएस की तर्ज पर कई मुन्ना भाई दुकानें खोलकर बैठे है जिनके नाम के नीचे एमबीबीएस तो लिखा है मगर इलाज झोलाछाप डॉक्टर की तरह कर रहे हैं। राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर की एक महिला मुन्ना भाई के इलाज से मरते मरते बाल बाल बची। प्राप्त जानकारी के अनुसार दो माह पूर्व डॉ अरशद ए सैय्यद शास्त्री नगर रतलाम स्थित चेस्ट सेंटर के नाम पर संचालित क्लिनिक पर सामान्य दर्द होने पर महिला दिखाने पहुंची वहां पर बैठे मुन्ना भाई ने पहले पर्चा बनाया उस पर एक्सरे लिखा जो क्लिनिक के अंदर ही करवाया गया।

जो स्वयं की प्रिय वस्तु दे सके वही दानी- श्री राधा कृष्ण महाराज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ तराना

7 दिन और 7 रात तक श्री नरसिंह महाराज ने भगवान शंकर का भजन करा भगवान शंकर ने प्रसन्न होकर बोले नरसिंह क्या जाहिए,नरसिह विचार कर बोले भोलेनाथ आप मुझे प्रसन्न हो राजी हो तो आपको सबसे प्रिय है वह आप मुझे दे। जो स्वयं की प्रिय वस्तु दे सके वही दानी होता है और शंकर भगवान तो ओढरदानी है।मतलब बहुत अधिक देने वाले है।नरसिंह जी के जीवन में मौका आया मायरे, नरसिंह भगवान भरोसे भजन गाते रहे आखिर में भगवान मायरे गढरी लेकर सांवरिया सेठ बन कर आए।यह पूरा प्रसंग है नानी बाई रो मायरे का। यह बात बुधवार को राठी परिवार द्वारा आयोजित नानी बाई रो मायरो में गोवत्स राधाकृष्ण महाराज ने कही। 3 दिवसीय नानी बाई रो मायरो महालोक डिपो के पीछे श्री कृपा गार्डन में आयोजित हो रहा है। 15 एवं 16 जुलाई को दोपहर 2 से5 बजे तक वहीं17 जुलाई को दोपहर 12 से 3 तक आयोजित होगया। राधाकृष्ण महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति जीवन मे एक बार रथ में भगवान के दर्शन कर लेता है उसे संसार की यातना कभी नही सहनी पड़ेगी।भक्त है तो जगत है।भक्त नही तो जगत नही। व्यास गादी पर गोवस्त राधाकृष्ण का स्वागत संम्मान जगदीश राठी के द्वारा किया गया। इस दौरान बड़ी सँख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील का संयुक्त किसान मोर्चा ने किया विरोध

ब्यावरा। 15 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में गुना और राजगढ़ के किसानों ने भारतझअमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते (ट्रेड डील) के विरोध में प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी ब्यावरा को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि यदि यह व्यापार समझौता वर्तमान स्वरूप में लागू किया जाता है, तो इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव देश के किसानों, पशुपालकों एवं डेयरी संचालकों पर पड़ेगा। सस्ते विदेशी कृषि एवं डेयरी उत्पादों के आयात से भारतीय किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाएगा तथा डेयरी क्षेत्र से जुड़े लाखों परिवारों की आजीविका भी प्रभावित हो सकती है। संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौते में देश के किसानों, पशुपालकों और डेयरी क्षेत्र के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। किसानों के हितों के विपरीत कोई भी निर्णय स्वीकार्य नहीं होगा। संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रधानमंत्री से मांग की है कि प्रस्तावित भारतझअमेरिका ट्रेड डील पर पुनर्विचार किया जाए तथा यदि इससे किसानों और डेयरी क्षेत्र को नुकसान होने की संभावना है, तो इसे तत्काल वापस लिया जाए। इस अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने स्पष्ट कहा कि देश की कृषि, पशुपालन और डेयरी व्यवस्था की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए तथा किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

19 जुलाई को नागदा बनेगा मिनी 'पुरी धाम'

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दर्शन को उमड़ेंगे श्रद्धालु

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नागदा

भगवान श्री जगन्नाथ महोत्सव के पावन अवसर पर आगामी 19 जुलाई को नागदा नगर एक बार फिर आस्था और सनातन संस्कृति के अनुपम उत्सव का साक्षी बनेगा। श्रीकृष्ण भावना अमृत संघ (इस्कॉन) उज्जैन एवं नागदा के संयुक्त तत्वावधान तथा नगरवासियों के सहयोग से लगातार तीसरे वर्ष भव्य श्री जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति को विश्वास है कि इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालु भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दिव्य रथ के दर्शन कर स्वयं को धन्य करेंगे।

रथयात्रा दोपहर 2 बजे कृषि उपज मंडी से प्रारंभ होकर महात्मा गांधी मार्ग, जवाहर मार्ग, पुराना बस स्टैंड एवं महिदपुर रोड होते हुए ज्योति श्री गार्डन पहुंचेगी। यात्रा के समापन स्थल पर सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद (भोग प्रसादम) की व्यवस्था की गई है। मीडिया प्रभारी निलेश मेहता ने बताया कि रथयात्रा को भव्य एवं दिव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए आयोजन समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। नगर के विभिन्न क्षेत्रों में संकीर्तन, घर-घर जनसंपर्क, आमंत्रण यात्राएं, पोस्टर, पंपलेट एवं धार्मिक संदेशों के माध्यम से नागरिकों को रथयात्रा में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रचार वाहन के माध्यम से रथयात्रा का व्यापक प्रचार किया जा रहा है।

आयोजन समिति के राकेश यादव, मुकेश डोडिया एवं डॉ. अनंत शर्मा के नेतृत्व में सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नगर के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों का भी आयोजन को भरपूर सहयोग मिल रहा है। विशेष रूप से महिला मंडल की सक्रिय भूमिका रहेगी, वहीं बंगाली समाज पारंपरिक बंगाली वेशभूषा एवं भक्ति-कीर्तन के साथ रथयात्रा की शोभा बढ़ाएगा। नगर के वैष्णव वृंद भी सेवा एवं भक्ति के माध्यम से आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मनोज राठी एवं घनश्याम राठी ने बताया कि माहेश्वरी समाज द्वारा यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के लिए भोग-प्रसाद एवं सेवा की विशेष व्यवस्था की जाएगी। उल्लेखनीय है कि विगत दो वर्षों में आयोजित रथयात्रा में 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं ने सहभागिता की थी। इस वर्ष 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जिससे पूरा नगर एक बार फिर भक्तिमय वातावरण में सराबोर होगा।

रथयात्रा के आमंत्रण अभियान के अंतर्गत भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विजय पटेल के नेतृत्व में वार्ड क्रमांक 21 स्थित श्री राम-जानकी मंदिर में आरती एवं संकीर्तन के साथ क्षेत्रवासियों को आमंत्रित किया गया। वहीं एप्रोच रोड स्थित केशव गार्डन एवं प्रकाश नगर में बिरलाग्राम मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन की सहभागिता से व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अवसर पर प्रकाश जैन ने रथयात्रा की व्यवस्थाओं एवं आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी नागरिकों से सहभागिता का आह्वान किया। ओमप्रकाश चौहान, मुकेश डोडिया, बृजेश शुक्ला एवं डॉ. अनंत शर्मा ने भगवान श्री जगन्नाथ की महिमा का वर्णन करते हुए सभी श्रद्धालुओं से रथयात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आग्रह किया।

स्ट्रैटनिंग ब्रश : गर्ल्स का परफैक्ट ब्यूटी पार्टनर

इस्तेमाल में आसान पारंपरिक स्ट्रैटनर की तुलना में स्ट्रैटनिंग ब्रश इस्तेमाल में आसान होते हैं और बालों को प्राकृतिक वौल्यूम भी देते हैं।

कालेज, औफिस या दोस्तों के साथ आउटिंग हो तो हर मौके पर लड़कियां चाहती हैं कि उन के बाल मिनटों में सलीकेदार और स्टाइलिश दिखें। यही वजह है कि स्ट्रैटनिंग ब्रश तेजी से उन का पसंदीदा हेयर टूल बनता जा रहा है। इस्तेमाल में आसान पारंपरिक स्ट्रैटनर की तुलना में स्ट्रैटनिंग ब्रश इस्तेमाल में आसान होते हैं और बालों को प्राकृतिक वौल्यूम भी देते हैं। कुछ ही मिनटों में फ्रिज कम हो जाता है और बाल मुलायम व चमकदार दिखने लगते हैं। यही कारण है कि व्यस्त दिनचर्या वाली युवतियों के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प है।

बाजार में हैं कई औप्शन

सही तापमान पर और हीट प्रोटैक्टेंट के साथ इस्तेमाल करने पर स्ट्रैटनिंग ब्रश न केवल समय बचाते हैं, बल्कि हर दिन खूबसूरती और आत्मविश्वास भी देते हैं। स्ट्रैटनिंग ब्रश बालों को एकसाथ सुलझाते और सीधा करते हैं, जिस से समय और मेहनत दोनों की बचत होती है। इन से बालों में प्राकृतिक वौल्यूम बना रहता है, इसलिए लुक अधिक नैचुरल दिखता है।

कैसे करें उपयोग

बालों को सुखा कर हीट प्रोटैक्टेंट लगाएं, फिर बालों को छोटेछोटे सैक्शन में बांट कर ब्रश को जड़ों से सिरों तक धीरेधीरे चलाएं। पारंपरिक स्ट्रैटनर की तुलना में इन में जलने का खतरा कम होता है, इसलिए शुरूआती उपयोगकर्ता भी इन्हें आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। यात्रा के दौरान भी ये सुविधाजनक रहते हैं क्योंकि इन्हें जल्दी पैक किया जा सकता है और कुछ ही मिनटों में स्टाइलिंग पूरी हो जाती है। ट्रैवल में ले जाना आसान कौंपैक्ट डिजाइन के कारण स्ट्रैटनिंग ब्रश आसानी से हैंडबैग या ट्रैवल बैग में रखा जा सकता है। यात्रा के दौरान भी कुछ ही मिनटों में बालों को सलीकेदार लुक देना बेहद आसान हो जाता है। कई मौडल्स में रिचार्जेबल और कौर्डलैस (बैटरी से चलने वाले) विकल्प उपलब्ध हैं, जिस से स्टाइलिंग के लिए पावर साकेट पर निर्भर नहीं रहना पड़ता।

मानसून बालों को हैल्दी रखने के लिए जरूरी है सही शैम्पू का चुनाव...

ब्यूटीफुल हेयर हमारी पर्सनेलिटी को निखारते हैं। यही वजह है कि बालों का झड़ना, टूटना, उलझना जैसी प्रौब्लमस से हर महिला परेशान हो जाती है, लेकिन बालों की सही देखभाल और बैलेंस व हेल्दी डाइट लेने से इन प्रौब्लम्स से बचा जा सकता है।

ब्यूटीफुल हेयर हमारी पर्सनेलिटी को निखारते हैं। यही वजह है कि बालों का झड़ना, टूटना, उलझना जैसी प्रौब्लमस से हर महिला परेशान हो जाती है, लेकिन बालों की सही देखभाल और बैलेंस व हेल्दी डाइट लेने से इन प्रौब्लम्स से बचा जा सकता है। इसी प्रौब्लम को लेकर ओरिफ्लेम इंडिया की हेयर ऐक्सपर्ट पल्लवी सहगल कहती हैं कि बालों पर मौसम का भी असर पड़ता है। मौनसून के मौसम में बारबार गीले हो जाने की वजह से बाल उलझ जाते हैं। जिससे वह ज्यादा झड़ने लगते हैं। 60 से 100 बालों का प्रतिदिन झड़ना कोई खास चिंता की बात नहीं। पर 100 से ज्यादा बालों का रोजाना झड़ना चिंता की बात होती है। बालों की तरह-तरह की प्रौब्लम्स के चलते शैंपू के चुनाव में सावधानी बरतना जरूरी है। इसके लिए कुछ खास टिप्स के बारे में आज हम आपको बताएंगे

ग्रीसी हेयर के लिए अपनाएं ये शैम्पू

अगर आप के हेयर ग्रीसी हैं तो मार्केट में कई प्रकार के ग्रीसी हेयर शैंपू मिलते हैं, जो ग्रीसी हेयर को ठीक कर सकते हैं। बारबार आम शैंपू लगाने से बालों और स्कैल्प का औयल कम हो जाता है, जिस से बालों में डैंड्रफ हो जाता है और उन का झड़ना भी बढ़ जाता है। अतः इस मौसम में बाहर जाने से पहले सीरम जरूर प्रयोग करें।

हेयर टैक्स्चर के बेस पर चुनें शैम्पू

शैंपू हेयर टैक्स्चर के आधार पर प्रयोग करें। कई बार पूरा परिवार एक ही शैंपू का प्रयोग करता है, जो ठीक नहीं। अगर आप ने हेयर कलर किए हैं तो उस शैंपू का प्रयोग करें, जो कलर न उतारे और यदि बालों में डैंड्रफ है, तो डैंड्रफ हटाने वाले शैंपू का प्रयोग करें। इसी तरह अगर बाल डैमेज हो रहे हों तो हेयर रिपेयर करने वाले शैंपू का प्रयोग करें। शैंपू खरीदने से पहले बालों का टैक्स्चर अवश्य जान लें। कई बार महिलाएं कर्ली बालों को फ्रीजी बाल समझती हैं।

मौनसून में हेयर औयलिंग है जरूरी

मौनसून में हेयर औयलिंग बहुत आवश्यक है। इस से बेजान बालों में ब्लड सकुर्लेशन बढ़ता है। उन की ग्रोथ बढ़ती है, क्योंकि मसाज से औयल बालों की जड़ों तक पहुंचता है। महीने में 2 बार 2 घंटों तक बालों में औयल लगा कर रखना पर्याप्त होता है। आजकल बाजार में औयल के गुण

चेहरे की झुर्रियां झट से होगी गायब

ग्रीन टी का सेवन न सिर्फ आपके सेहत के लिए फायदेमंद है बल्कि ये त्वचा और बालों के लिए काफी लाभदायक है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते है। इसके साथ ही ग्रीन टी में विटामिन और मिनरल जैसे पोषक तत्व होते है। दरअसल, ग्रीन टी में पॉलीफेनोल्स होते हैं। ग्रीन टी आपको झुर्रियों से बचाने में भी मदद करती है। ये आपकी त्वचा को हेल्दी बनाए रखने का काम करती है।

ग्रीन टी का ऐसे करें इस्तेमाल

ग्रीन टी और नारियल तेल

ग्रीन टी बनाकर इसे थोड़ी देर ठंडा होने के लिए रख दें। अब एक बाउल में थोड़ा सा नारियल का तेल लें। इसमें 2 चम्मच ग्रीन टी मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर 5 से 6 मिनट के लिए लगाएं । इसे 20 मिनट के लिए त्वचा पर लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें ।आप हफ्ते में 2 से 3 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

ग्रीन टी और एवोकैडो- आप अपनी त्वचा के लिए ग्रीन टी और एवोकैडो का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए आप एक बाउल में एवोकैडो को काटकर मैश कर लें। अब इसमें 2 से 3 चम्मच ग्रीन टी मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छे से मिलाएं। अब इन चीजों से कुछ देर के लिए चेहरे और गर्दन की मसाज करें। इसे कुछ देर के लिए स्किन पर लगा रहने दें। इसे 20 से 30 मिनट के लिए लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

जेडेन ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए 3 मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया है। गयाना में खेले गए इस मैच में जेडेन लेनोक्स के फाइव विकेट हॉल की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को महज 138 रनों पर समेट दिया।

वेस्टइंडीज की टीम ने अपने आखिरी 10 विकेट सिर्फ 75 रन के अंदर गंवा दिए। 139 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर आसानी से जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन लेनोक्स इस मैच के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 5 विकेट चटकाए। यह उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले खेले गए 6 वनडे मैचों में लेनोक्स कभी भी 2 से ज्यादा विकेट नहीं ले पाए थे। उनके पहले चार विकेट क्लीन बोल्ड के रूप में आए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही लेनोक्स न्यूजीलैंड के पुरुषों के वनडे इतिहास में तीसरे सबसे बेस्ट आंकड़े दर्ज करने वाले स्पिनर बन गए हैं।

63 रन की ओपनिंग साझेदारी के बाद बिखरी वेस्टइंडीज

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत बेहद शानदार रही थी। ओपनर जॉन कैंपबेल और अकीम ऑगस्टे ने पहले विकेट के लिए 63 रनों की मजबूत पार्टनरशिप की। पावरप्ले के आखिर में दोनों ने तेजी से रन बनाए, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया। माइकल ब्रेसवेल ने पहली सफलता दिलाई, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने लगातार विकेट गंवाए। टीम 138 रन पर ऑलआउट हो गई। जॉन कैंपबेल ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। अमीर जांगू ने 20 रन की पारी खेली, जबकि बाकी कोई बल्लेबाज 20 रन तक नहीं पहुंच सका। कप्तान मिचेल सेंटनर ने भी दो अहम विकेट लिए। उन्होंने जॉन कैंपबेल और पिछले मैच के हीरो कीसी कार्टी को क्लीन बोल्ड किया। न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने इस मुकाबले में कुल 9 विकेट लिए।

खतरे में फुटबॉलर्स का दिमाग, हेडर मारने से सिकुड़ा ब्रेन

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

फुटबॉल खेलना न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन माना जाता है। लेकिन, एक नई स्टडी ने इस खूबसूरत खेल से जुड़े एक डराने वाले सच को उजागर किया है। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि पूर्व पेशेवर फुटबॉल खिलाड़ियों में अपनी मिड-लाइफ (30 से 60 वर्ष की आयु) में डिप्रेशन, एंग्जायटी (चिंता) और सोचने-समझने की क्षमता में कमी जैसी गंभीर समस्याएं आम लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा पाई जाती हैं।

इंपीरियल कॉलेज ऑफ लंदन द्वारा की गई इस अहम स्टडी के नतीजे हाल ही में अल्जाइमर एसोसिएशन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पेश किए गए।

सूर्या की टीम में वापसी के रास्ते बंद नहीं: घरेलू क्रिकेट में रन बनाने होंगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सूर्यकुमार यादव की टीम इंडिया में वापसी हो सकती है। सूत्र ने बताया कि सूर्या के लिए दरवाजे अब भी खुले हैं। हालांकि वह अभी टीम की योजना का हिस्सा नहीं हैं। अगर वह घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाते हैं, तो वापसी संभव है। टीम इंडिया को वर्ल्ड चैंपियन बनाने वाले कप्तान सूर्या को खराब फॉर्म की वजह से आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से बाहर कर दिया गया था। उनसे कप्तानी भी छिन ली गई। उनकी जगह श्रेयस अय्यर को नया टी-20 कप्तान बनाया है। सूर्या ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की 9 पारियों में 242 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ एक फिफ्टी लगाई। सूर्या का खराब फॉर्म क्छछ 2026 में भी जारी रहा। वे 13 पारियों में सिर्फ 270 रन ही बना सके। उनका औसत 20.76 रहा। सूर्या सीजन में सिर्फ 2 फिफ्टी लगा सके।

श्रेयस की कप्तानी में भारत लगातार दो टी-20 सीरीज हारी। पहले आयरलैंड के खिलाफ 2-0 से हार मिली। यह आयरलैंड की भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत थी। इसके बाद इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 4-0 से हराया। सूर्या की कप्तानी जाने के बाद भारत एक भी मुकाबला नहीं जीत सका है।

रेसलर के एक थप्पड़ से डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन बेहोश

फिरोजपुर। पंजाब में फिरोजपुर के रेसलर अमनप्रीत सिंह ने पावर स्लैप कंपीटिशन में डब्लूडब्लूई के पूर्व वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियन जैक हेजर को एक थप्पड़ में बेहोश कर दिया। जैक हेजर पहले दो राउंड में बढ़त पर थे, लेकिन तीसरे राउंड में शेरा के एक जोरदार थप्पड़ ने उनको को नॉकआउट कर दिया।

जीतने के बाद मंच पर ही शेरा ने अपनी टी-शर्ट उतार जश्न मनाया। वहीं हेजर को करियर की पहली नॉकआउट हार का सामना करना पड़ा। पावर स्लैप 21 का ये मुकाबला 10 जुलाई 2026 को लास वेगास में हुआ। अमनप्रीत सिंह इससे पहले टीएनए रेसलिंग, डब्लूडब्लूई एनएक्सटी और ओवीडब्ल्यू हेवीवेट में खेल चुके हैं। वह रिंग में महाबली शेरा के नाम से फेमस हैं।

तुरंत आवश्यकता है
1 ग्राम ज्वेलरी व आर्टिफिशियल ज्वेलरी की मार्केटिंग के लिए युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतनमान 15000 से शुरु। ड्यूटी 8 घंटे। कार्य क्षेत्र सिर्फ उज्जैन शहर के लिए। नोटः इच्छुक व्यक्ति एजेंसी लेने हेतु संपर्क करें।
बाबा डायरेक्ट मार्केटिंग कंपनी मालीपुरा, उज्जैन
मोबाइल- 9981248359

प्रवेश प्रारंभ
आवश्यकता है:- शिक्षक / शिक्षिकाओ की (अंग्रेजी माध्यम स्कूल में)
योग्यता :- ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट,
आफिस समय 10 से 01 बजे तक
आवेदनः 23-06-2026
सेन्ट मदार कान्वेंट स्कूल 36, मदार गेट सरदार स्टील के पास उज्जैन
फोन नम्बरः-2557390

विज्ञप्ति
क्षीरसागर कॉलोनी स्थित भूखण्ड क्रमांक 3 नजर अली मार्ग, पथ क्रमांक 3, उत्तरमुखी खुला भूखण्ड 46 फीट बाय 66 फीट विक्रय किया जाना है। वास्तविक इच्छुक व्यक्ति ही स्वयं सम्पर्क करें, मध्यस्थता स्वीकार्य नहीं है।
चन्द्रकान्त शुक्ला
मो. 9406801039

आवश्यकता है
रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु हेल्पर की जो सभी कार्य कर सके आवश्यकता है।
संपर्क
9827820470

मकान बेचना है
साईज 16X25, चार मंजिला होमस्टे हेतु उपयुक्त। कुंआ, दुकान सहित मकान बेचना है
पता
रामरतन शर्मा मार्ग, उज्जैन
फोनः 7869850570
9827832632

मकान बेचना है
गणेशपुरा मक्सी रोड मेन चौराहा, गली नंबर 1 में 20x40 में निर्मित सर्वसुविधा युक्त मकान बेचना है।
संपर्क
8717818385

प्रॉपर्टी बेचना है
प्रॉपर्टी बेचना है इंदौर में 1. 700, sqft शॉप मेन रोड, 2. 1500,sqft plot भवर कुआं चौराहे पर, 3. 1500,sqft plot पर बना हुआ शोरूम मेन खंडवा रोड पर, 4. 2,लाख किराए पर लगे बैंक, 5. हॉस्टल विष्णुपुर में, 6. शोरूम विजय नगर में, 7. 1200,sqft रानी बाग में 8. 1500,sqft इंद्रपुरी में 9. रेस्टोरेंट विजय नगर में, 10. लक्जरी फार्म हाउस
संपर्क करें
पीसी राजपूत रीयल एस्टेट
9893713817

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

खरीदना / किराए से चाहीए
उज्जैन में कोई भी छोटी होटल या होम स्टे, जो चालू अवस्था में हो खरीदना / किराए से चाहीए
संपर्क
9893374872

इन्दौर में 2 BHK फ्लेट बेचना है।
सीता श्री रेसीडेंसी
ऐयर पोर्ट मेनरोड कालानी नगर के पास
ग्राउंड फ्लोर में 4 बैंक व 4 दुकाने है
पास में, मेट्रो स्टेशन निर्माणाधीन
मोके की जगह ।
सीधे आनर से संपर्क करें ।
9669578652

आवश्यकता
छुरी वाली कटिंग मशीन एवं सर्कलकटिंग मशीन ऑपरेटर की जो दोनों मशीन चलाना जानता हो, चौकीदार की जो रात दिन फैक्ट्री पर रह सके.
संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 मक्सी रोड इंडस्ट्रियल एरिया
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक-युवती की। पेन्ट-शर्ट बनाने वाले कारीगर की भी आवश्यकता है।
संपर्क करें
9575555715, 9425094114

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

अवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु युवक और युवती की। कोट पेन्ट बनाने वाले कारीगर की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है। प्रोमिस टेलर मेट्रो टॉकीज के सामने (उज्जैन)
संपर्क करें
7974817308, 9516848052

बेचना है
अगरबत्ती का कारखाना बेचना है, वियतनाम ऑटोमैटिक मशीन। ड्रायर मिक्सर और अन्य सामान बेचना है। स्थान- नागझिरी, उज्जैन
संपर्क
9111328540

किराए से देना है
शहर के मध्य, पुराने दारू गोदाम के सामने, बुनकर समिति के अंदर 1500 & 2000 SQFT कमर्शियल व गोडाउन उपयोग हेतु 16 फीट ऊंचाई टीन शेड, बोरिंग सुविधा, अटैच लेट-बाथ, सर्व सुविधा युक्त
6267735937

आवश्यकता
अशासकीय विद्यालय श्री संस्कृति कॉ. मि. स्कूल भैरवगढ़ में अध्यापन हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं की आवश्यकता है- अनुभवी एवं प्रशिक्षित को प्राथमिकता-
योग्यता- B.E.D/D.E.D./Deled
वेतन- 7000 से 8000 प्रतिमाह
राजेश राव हाण्डे- 9977588698
Head Master
Shri Sanskriti Convent Middle School, Bhairavgar

न्यूज कॉलम

बिचौली मर्दाना में 27 वर्षीय युवक की पांचवीं मंजिल से गिरने से मौत

इंदौर। कनाड़िया थाना क्षेत्र के बिचौली मर्दाना स्थित एक अपार्टमेंट में बुधवार सुबह 27 वर्षीय युवक की पांचवीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई। युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस फिलहाल हादसे और आत्महत्या दोनों पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक घटना सुबह करीब 8.30 बजे करुणा सागर बिल्डिंग की है। मृतक की पहचान शिवराज रघुवंशी पिता मूलचंद रघुवंशी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार शिवराज पांचवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में रहता था और वहीं से नीचे गिर गया। मृतक के बड़े भाई जगदीश ने बताया कि सुबह उनकी मां ने जोर से आवाज लगाई और बताया कि शिवराज नीचे गिर गया है। इसके बाद परिवार के सदस्य तुरंत नीचे पहुंचे और उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। परिजनों के अनुसार शिवराज अक्सर छठी मंजिल की छत पर सिगरेट पीने जाया करता था।

मंदसौर के जॉइंट कलेक्टर के खिलाफ वसूली और गिरफ्तारी वारंट जारी

इंदौर। फैमिली कोर्ट इंदौर ने भरण-पोषण राशि का भुगतान नहीं करने पर मंदसौर जिले में पदस्थ जॉइंट कलेक्टर राहुल चौहान के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने कहा कि जिम्मेदार प्रशासनिक पद पर कार्यरत अधिकारी से अदालत के आदेशों का पालन करने की अपेक्षा अधिक होती है। आदेश की अवहेलना पर कोर्ट ने संबंधित अधिकारी के खिलाफ वसूली और गिरफ्तारी वारंट जारी करने के निर्देश दिए हैं। प्रकरण के अनुसार, निर्मला ने अपने पति राहुल चौहान पिता- शंकरलाल चौहान के खिलाफ दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-125 के तहत भरण-पोषण के लिए फैमिली कोर्ट इंदौर में आवेदन दायर किया था। राहुल चौहान वर्तमान में मंदसौर जिले की गरोठ तहसील में जॉइंट कलेक्टर के पद पर पदस्थ हैं। मामले की सुनवाई के बाद प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने 4 मई 2026 को अंतरिम भरण-पोषण के रूप में 20 हजार रुपए प्रतिमाह देने का आदेश पारित किया था।

छात्रों के बीच चाकूबाजी, तीन आरोपियों पर केस दर्ज, इंस्ट्रग्राम पर मांगा था नंबर

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में स्कूली छात्रों के बीच विवाद चाकूबाजी तक पहुंच गया। इंस्टाग्राम पर शुरू हुई कहासुनी के बाद बंगाली चौराहे पर तीन छात्रों ने 11वीं के छात्र और उसके दोस्तों से मारपीट की। इस दौरान एक छात्र ने दोस्त के पैर पर चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित के बयान के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 11वीं कक्षा में पढ़ने वाले रितीश जोशी ने शिकायत दर्ज कराई है कि वह सत्य साईं चौराहे के पास स्थित एक निजी स्कूल का छात्र है। उसका विवाद स्कूल में खो-खो खेल के दौरान दूसरे छात्र रिशीत से हुआ था। रितीश ने बताया कि कुछ दिन पहले वह स्कूल में टीसी लेने गया था, जहां आरोपी छात्र उसे घूर रहा था। इसके बाद आरोपी ने इंस्टाग्राम पर उससे मोबाइल नंबर मांगा, लेकिन उसने देने से इनकार कर दिया। रविवार शाम रितीश अपने दोस्तों लक्की और यश के साथ बंगाली चौराहे पर था।

एमडी नशे का विरोध, युवक पर हमला धारदार हथियार से वार, चार पर केस

धार। धार शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित नागर की वाड़ी में कथित एमडी नशे के कारोबार का विरोध करने पर एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया गया। आरोप है कि देर रात कई लोग घर में घुस आए और धारदार हथियारों से हमला कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल का जिला अस्पताल में इलाज जारी है, जबकि पुलिस ने चार नामजद आरोपियों समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। घायल समीर उर्फ लाला पिता सलीम बागवान की शिकायत पर पुलिस ने गोलू पिता इकबाल, आवेश पटेल, सलमान और दद्दू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(ए), 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी देर रात घर पहुंचे और धारदार हथियारों से हमला कर फरार हो गए। घायल इरफान ने बताया कि उसके घर के आसपास रोजाना 15 से 20 युवक कथित रूप से एमडी जैसे नशीले पदार्थ का सेवन करते थे।

शिव मंदिर की जमीन पर कब्जे का आरोप ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

धार। धार जिले के नौगांव स्थित परदेशी मोहल्ला वार्ड क्रमांक-3 के रहवासियों ने मंगलवार को जिला पंचायत पहुंचकर कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शिव मंदिर की शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण, मंदिर परिसर में निर्माण कार्य और श्रद्धालुओं के साथ विवाद किए जाने के आरोप लगाते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। रहवासियों का आरोप है कि परदेशी मोहल्ले में स्थित वर्षों पुराने शिव मंदिर की शासकीय भूमि पर एक परिवार द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा कर निजी मकान का निर्माण किया जा रहा है। उनका कहना है कि मंदिर परिसर का निजी उपयोग किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में परेशानी हो रही है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि मंदिर में पूजा करने आने वाले श्रद्धालुओं को रोका जाता है और उनके साथ विवाद किया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे क्षेत्र की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं और मंदिर का शांतिपूर्ण वातावरण प्रभावित हो रहा है।

पृथक भील प्रदेश राज्य के गठन की मांग को लेकर भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा ने ज्ञापन सौंपे

झाबुआ। भील प्रदेश मुक्ति मोर्चा ने बुधवार को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत एक पृथक 'भील प्रदेश' राज्य के गठन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपे। इस प्रस्तावित राज्य में राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल सीमावर्ती क्षेत्रों और दादरा एवं नगर हवेली को शामिल करने की मांग की गई है। झाबुआ जिला मुख्यालय के साथ-साथ रानापुर, पेटलावद और जिले के अन्य सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और युवाओं ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया। उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से इस मांग पत्र पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया। ज्ञापन में पृथक राज्य के गठन के पीछे कई ठोस कारण बताए गए हैं। इनमें भील समाज की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक पहचान का संरक्षण प्रमुख है। इसके अलावा, अनुसूचित क्षेत्रों का समग्र विकास और प्रभावी प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करना भी एक मुख्य उद्देश्य है।

6 वर्षीय मासूम के हत्याकांड पर न्याय में देरी पर निकाली जन आक्रोश रैली

झाबुआ। झाबुआ जिले के कोदली गांव में 6 वर्षीय मासूम उत्कर्ष की हत्या के मामले में न्याय मिलने में हो रही देरी को लेकर क्षेत्र के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना के दो महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी ठोस कार्रवाई न होने से नाराज पीड़ित परिवार और आम नागरिकों ने सड़क पर उतरकर अपना विरोध दर्ज कराया। 'न्यायिक मानवाधिकार परिषद' के नेतृत्व में शहर में एक विशाल 'जन आक्रोश रैली' निकाली गई। इस रैली में बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। यह आक्रोश रैली श्रद्धांजलि चौक से शुरू होकर शहर के मुख्य रास्तों से गुजरी। इसके बाद पुराना बस स्टैंड होते हुए रैली सीधे पेटलावद पुलिस थाने पहुंची। प्रदर्शन में शामिल लोग हाथों में तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर आरोपियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा देने की मांग लिखी थी। थाना परिसर में उत्कर्ष के माता-पिता, दादा कुशल सिंह नायक और घटना में गंभीर रूप से घायल हुई दादी रमिला बाई भी मौजूद रहीं। यह जघन्य वारदात 5 मई 2026 को कोदली गांव में हुई थी। आरोपी जितेंद्र ने अपने चचेरे भाई चिराग के साथ मिलकर पैसे लूटने की योजना बनाई थी। दोनों ने अपने ही परिवार पर हमला कर 6 साल के उत्कर्ष की फावड़ा मारकर हत्या कर दी और लूटपाट की थी।

इंदौर में बच्चों के बीमार पड़ने के बाद एक्शन: निरीक्षण के दौरान मेस में मिलीं गंभीर खामियां

पांच फूड सैंपल फेल, स्कूल प्रशासन को 14 दिन का अल्टीमेटम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

शिशुकुंज स्कूल में भोजन करने के बाद बच्चों के बीमार होने की घटना के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश और कलेक्टर शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों की मेस और कैंटीनों की लगातार जांच की जा रही है।

इसी क्रम में बायपास रोड स्थित झलारिया की शिशुकुंज एजुकेशनल सोसायटी का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों में कई गंभीर खामियां मिलीं। इसके चलते संस्थान को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत सुधार सूचना पत्र (इम्प्रूवमेंट नोटिस) जारी किया है।

फूड ग्रेड सामग्री के बजाय एल्यूमिनियम के बर्तनों का उपयोग

निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच संबंधी रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं मिली। वहीं, भोजन निर्माण में कुछ स्थानों पर फूड ग्रेड सामग्री के बजाय एल्यूमिनियम के बर्तनों का उपयोग किया जा रहा था। निरीक्षण के दौरान किचन में इस्तेमाल किया हुआ कुकिंग ऑयल रखा मिला। वहीं, डीप फ्रीजर में तापमान नियंत्रण और डिस्प्ले सिस्टम नहीं था। फूड हैंडलर्स केवल कैप पहने हुए थे, जबकि एप्रन और ग्लव्स का उपयोग नहीं किया जा रहा था। निर्माण में उपयोग किए जा रहे पानी की एनएबीएल लैब से प्रमाणित नवीनतम जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं थी। इसके अलावा पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड भी अधूरा पाया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने 22 जून 2026 को किए गए निरीक्षण में पाया कि खाद्य निर्माण क्षेत्र की खिड़कियां सुरक्षित रूप से कवर नहीं थीं, जिससे कीट-पतंगों के प्रवेश की आशंका बनी हुई थी। रॉ मैटेरियल का भंडारण भी अव्यवस्थित मिला। इसके अलावा एक्सपायरी खाद्य सामग्री भी संग्रहित पाई गई, जिससे एफआईएफओ और एफईएफओ प्रणाली के पालन में गंभीर लापरवाही सामने आई।

23 में से 5 खाद्य नमूने फेल- जांच के दौरान लिए गए 23 खाद्य नमूनों में से ड्रिंकिंग वाटर, सोयाबीन तेल, ब्रियो नमकीन, तुअर दाल और अमूल स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम के नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इन नमूनों के फेल होने के आधार पर संबंधित वैधानिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

14 दिन में सुधार के निर्देश- खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने संस्थान को 14 दिनों के भीतर सभी कमियों को दूर कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक सुधार नहीं होने पर लाइसेंस या पंजीयन निलंबित करने सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सभी मानक पूरे होने पर ही मिलेगी अनुमति कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यदि संस्थान 14 दिनों के भीतर या उससे पहले सभी कमियों को दूर कर देता है तो प्रशासन का संयुक्त दल दोबारा निरीक्षण करेगा। निरीक्षण में सभी मानकों का पालन और आवश्यक दस्तावेज संतोषजनक पाए जाने पर ही स्कूल को मेस एवं खाद्य गतिविधियां दोबारा संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री यादव ने चिकित्सालय के लोकार्पण के दौरान कहा, एक देश में सभी के लिए समान कानून होना चाहिए

समान कानून लागू करने की दिशा में बढ़ रही सरकार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर में 300 बिस्तरीय नए जिला चिकित्सालय के लोकार्पण के दौरान समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक समान कानून लागू करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा- अगर रामचंद्र एक शादी करता है तो रहीम से भी एक ही शादी की अपेक्षा की जा सकती है। मुस्लिम बहनें भी हमारी बहन है। उनके जीवन में भी तो कष्ट आएगा। उनको क्या अलग कर सकते हैं?

उन्होंने कहा कि एक देश में अलग-अलग कानून नहीं होने चाहिए और सभी नागरिकों के लिए समान व्यवस्था जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 'एक देश, एक निशान, एक प्रधान और एक विधान' का विचार दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धारा 370 हटाकर उस संकल्प को आगे बढ़ाया। अब मध्य प्रदेश भी उसी भावना के साथ एक समान कानून लागू करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

पहले चरण में 34 बेड की विंग शुरू होगी

करीब 83.16 करोड़ रुपए की लागत से बने चार मंजिला 300 बिस्तरीय जिला अस्पताल से पश्चिमी इंदौर के लाखों लोगों को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। हालांकि पहले चरण में केवल 34 बेड की प्रसूति (मैटरनिटी) विंग शुरू की जाएगी। अस्पताल के शेष 266 बेड और मेडिसिन, सर्जरी, हड्डी रोग समेत अधिकांश प्रमुख विभाग फिलहाल शुरू नहीं होंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में अलग-अलग समुदायों के लिए विवाह और अन्य व्यक्तिगत कानून अलग हैं, जबकि एक देश में सभी के लिए समान कानून होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए भी यह जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में सरकार चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, हम चाहते तो इस कानून को विधानसभा से सीधे भी पारित करा सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं किया। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई। समिति ने प्रदेश के सभी 55 जिलों और 10 संभागों में जाकर लोगों से संवाद किया और सुझाव लिए। इन सभी सुझावों का संकलन करने के बाद सरकार अब विधानसभा में कानून लाने की तैयारी कर रही है।

महापौर बोले- काम में ढिलाई बर्दाश्त नहीं

जनता ने गिनाई ड्रेनेज-स्ट्रीट लाइट की समस्याएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में बुधवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने विधानसभा-4 के वार्ड-72 स्थित रेवेन्यू नगर में जनसंवाद कर लोगों की समस्याएं सुनीं। रहवासियों ने गार्डनों के रखरखाव, स्ट्रीट लाइटों के नियमित मेंटेनेंस, ड्रेनेज लाइन की सफाई और कुछ गलियों में जलभराव की शिकायतें रखीं।

इस पर महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए, ताकि नागरिकों को बार-बार शिकायत दर्ज न करानी पड़े। उन्होंने अधिकारियों से रखरखाव व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाने के भी निर्देश दिए। जनसंवाद के बाद महापौर सच्चिदानंद नगर योगशाला पहुंचे, जहां उन्होंने पौधारोपण किया और योग करने आए लोगों से क्षेत्र की सुविधाओं को लेकर फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि नगर निगम केवल दैनिक रखरखाव तक सीमित नहीं है, बल्कि अगले 20 से 25 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर शहर का आधारभूत ढांचा मजबूत किया जा रहा है। महापौर ने बताया कि पेयजल और ड्रेनेज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 25 वर्ष पुरानी पाइपलाइनें बदली गई हैं।

एसआईटी की चार्जशीट में खुलासा

आईएएस संतोष वर्मा के प्रमोशन के लिए तोड़े नियम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के बहुचर्चित आईएएस संतोष वर्मा और तत्कालीन जिला न्यायाधीश विजेंद्र सिंह रावत केस में एक बार फिर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने विजेंद्र सिंह रावत को विभागीय कार्रवाई से राहत देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट के इस फैसले के बाद विशेष जांच दल की चार्जशीट में दर्ज कई चौंकाने वाले तथ्य दोबारा सुर्खियों में आ गए हैं। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि एसआईटी की चार्जशीट में दोनों के बीच के घटनाक्रम को लेकर क्या बड़े दावे किए गए हैं। एसआईटी की जांच के अनुसार, तत्कालीन जिला न्यायाधीश विजेंद्र सिंह रावत और आईएएस संतोष वर्मा के बीच मोबाइल पर करीब 140 बार बातचीत हुई थी। जांच एजेंसी का दावा है कि इन संपर्कों के बाद ही पूरे मामले में तेजी आई। चार्जशीट के मुताबिक, 6 अक्टूबर 2020 को दोनों के बीच फोन पर बात हुई और फिर दोनों ने इंदौर के ग्रैंड माचल रिजॉर्ट में मुलाकात की। इसी दिन न्यायाधीश ने कोर्ट से अवकाश लेने का आवेदन भी दिया था। चार्जशीट में दर्ज टाइम लाइन के अनुसार, आईएएस संतोष वर्मा की विभागीय पदोन्नति को हरी झंडी दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं को कथित तौर पर असाधारण गति से आगे बढ़ाया गया।

खुडैल थाना क्षेत्र में महिलाओं ने पुरुषों के साथ हथियार लेकर घर पर बोला धावा

पुरानी रंजिश में परिवार से मारपीट और घर में तोड़फोड़

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

खुडैल थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर एक परिवार पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिलाएं खुलेआम हथियार लेकर मौके पर पहुंचीं और परिवार के लोगों से मारपीट की। इसके बाद आरोपियों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और बाहर खड़ी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

खुडैल पुलिस के अनुसार आठ मील निवासी आसिफ पटेल की शिकायत पर अफसर पटेल, रिहान पटेल, परवीन, अरमान, अय्यूब, बबीता, आदिल, आरिफ पटेल सहित नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपनी कार से आठ मील जा रहा था, तभी आरोपियों ने रास्ते में रोककर डंडों से उसके साथ मारपीट की।

आरोपियों के परिवार की महिलाओं ने भी की मारपीट

आसिफ के मुताबिक शोर सुनकर उनकी पत्नी शबाना और बुआ हारून बी मौके पर पहुंचीं तो आरोपियों के परिवार की महिलाओं ने उनके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि इसके बाद महिलाएं घर से अवैध हथियार लेकर आईं और परिवार के अन्य युवकों को उकसाकर शिकायतकर्ता के घर में घुसा दिया।

कार भी क्षतिग्रस्त

शिकायत के अनुसार आरोपियों ने घर में घुसकर हंगामा किया और घर के बाहर खड़ी कार में भी जमकर तोड़फोड़ की। घटना से घबराकर परिवार के लोगों ने खुद को घर के अंदर बंद कर लिया।

परिजनों का कहना है कि उन्होंने घर के अंदर से ही पूरी घटना के वीडियो रिकॉर्ड किए, जिन्हें पुलिस को सौंपा गया है। पुलिस वीडियो के आधार पर भी मामले की जांच कर रही है।

खुडैल थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर नौ आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और अवैध हथियार के साथ धमकाने सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

फ्रूट व्यापारी के साथ 3.92 लाख रुपये की साइबर ठगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

सराफा पुलिस ने लाखों रुपए की साइबर ठगी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक फ्रूट व्यापारी के मोबाइल पर पेटीएम सस्पेंड होने का मैसेज आया। इसके बाद उन्होंने ऐप अपडेट किया तो उनका अकाउंट हैक हो गया और करीब 3.92 लाख रुपए निकाल लिए गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सराफा पुलिस के अनुसार, विद्याचल कॉलोनी निवासी कल्पेश जैन की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कल्पेश ने बताया कि वे हुकुमचंद मार्ग पर फ्रूट का कारोबार करते हैं। 2 जून को उनके मोबाइल पर एक नोटिफिकेशन आया, जिसमें पेटीएम सस्पेंड होने की जानकारी दी गई थी। इसके कुछ देर बाद दूसरा नोटिफिकेशन आया, जिसमें पेटीएम अपडेट करने का विकल्प था। उन्होंने ऐप अपडेट किया, जिसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ हो गया। दोबारा चालू करने पर पेटीएम ऐप नहीं खुला। 5 जून को उन्होंने एक ग्राहक को पेमेंट करने की कोशिश की तो पता चला कि ट्रांजेक्शन लिमिट समाप्त हो चुकी है। बैंक जाकर जानकारी लेने पर पता चला कि 2 जून से 5 जून के बीच उनके अकाउंट से आधा दर्जन से अधिक ट्रांजेक्शन के जरिए 3 लाख 92 हजार रुपए निकाल लिए गए।

किराएदार का सामान बाहर फेंका मकान मालिक पर चोरी का आरोप

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में किराए के मकान का ताला तोड़कर सामान बाहर फेंकने, कीमती जेवर गायब करने और विरोध करने पर दंपती से मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार विदुर नगर निवासी निवेदिता राठौर ने शिकायत दर्ज कराई कि 13 जुलाई की रात करीब 9 बजे वह अपने पति राजेश राठौर के साथ किराए के मकान पर पहुंचीं। वहां देखा कि उनकी गैरमौजूदगी में मकान का ताला तोड़ दिया गया था और घर का पूरा सामान बाहर फेंक दिया गया था। महिला का आरोप है कि घर में रखा सोने के मंगलसूत्र का पेंडल और चांदी की पायल भी गायब है। राजेश राठौर मसालों का कारोबार करते हैं, जबकि आरोपी परिवार बिल्डिंग मटेरियल के व्यवसाय से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार जब दंपती ने इसका विरोध किया तो आरोपी नीता वर्मा, दीपक वर्मा, शोभा वर्मा, अमित वर्मा और अश्विन ने उनके साथ अभद्रता की। आरोप है कि नीता वर्मा और शोभा वर्मा ने निवेदिता के साथ लात-घूंसों से मारपीट की, जबकि बीच-बचाव करने आए राजेश राठौर के साथ अश्विन ने मारपीट की। घटना में दोनों को चोटें आईं। आरोपियों ने दंपती को मकान में प्रवेश करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapress@gmail.com